RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 141 ● भिलाई, सोमवार 08 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

उत्तर भारत में कोहरे के साथ शीतलहर का प्रकोप

नईदिल्ली। दिसंबर के पहले सप्ताह की शुरुआत उत्तर भारत में ठंड का कहर बढ़ने लगा है। ज्यादातर शहरों में रात का पारा 10 डिग्री से नीचे चला गया है, जिससे कंपकंपी छूटने लगी है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 6 और 7 दिसंबर को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, झारखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा में शीतलहर चलने की संभावना जताई है। साथ ही कानपुर, लखनऊ, दिल्ली, आगरा, शिमला, नैनीताल, देहरादून, प्रयागराज, मनाली और चंडीगढ़ में घना कोहरा छा सकता है। उत्तराखंड के केदारनाथ में शुक्रवार को तापमान माइनस 14 डिग्री और बद्रीनाथ में माइनस 11 डिग्री तक पहुंच गया। पिथौरागढ़ और चमोली में नदी-नाले जम गए। रविवार को कई जिलों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में भी हल्की बारिश और बर्फबारी की हो सकती है। शुक्रवार को राज्य के सभी शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे गिर गया है, जबकि लाहौल स्पीति के ताबो में तापमान माइनस 8.3 डिग्री पर पहुंच गया।

नेहा सिंह राठौर को राहत नहीं अग्रिम जमानत याचिका खारिज की

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने लोक गायिका नेहा सिंह राठौड़ को सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में राहत नहीं दी है. शुक्रवार को नेहा सिंह राठौर की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए लखनऊ बेंच ने उनकी याचिका को खारिज करते हुए उनकी अग्रिम जमानत को नामंजूर कर दिया है. बेंच ने कहा कि नेहा सिंह जांच में सहयोग नहीं किया. इसी के साथ लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली में दर्ज केस में जमानत देने से इनकार कर दिया. जस्टिस बृजराज सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश जारी किया है. नेहा सिंह राठौर ने अग्रिम जमानत अर्जी दायर करते हुए गिरफ्तारी से पहले जमानत देने की गुजारिश कोर्ट से की थी. जमानत अर्जी का विरोध करते हुए सरकारी वकील डॉक्टर वीके सिंह ने कहा कि नेहा सिंह राठौर के खिलाफ इस मामले में लखनऊ के हजरतगंज थाने में अप्रैल में एफआईआर दर्ज हुई थी.

आंध्र प्रदेश में भीषण सड़क हादसे में भगवान अयप्पा के 4 भक्तों की मौत

रामनाथपुरम। आंध्र प्रदेश के रामनाथपुरम जिला में एक भीषण सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हो गए. हादसे के कारणों का पता नहीं चल सका है. पुलिस घटना की जांच में जुटी है. दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए. कीझकराई के पास एक कार एक्सीडेंट में पांच लोगों की मौत हो गई है, जहां सड़क किनारे खड़े भगवान अयप्पा के भक्तों की कार को दूसरी कार ने टक्कर मार दी, जबकि सात अन्य को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया.

प्रत्यक्षदर्शियों का दावा-अंदर फोड़े गए थे पटाखे

गोवा के नाइटक्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत

पणजी/ एजेंसी

उत्तर गोवा का लोगों से खचाखच भरा एक नाइटक्लब में आधी रात के बाद आग की भीषण लपटों में घिर गया, जिससे 25 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. इस हादसे ने क्लब में कथित अवैध गतिविधियों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. पुलिस ने पहले कहा था कि ऐसा प्रतीत होता है कि संभवत: सिलेंडर विस्फोट के कारण आग लगी, लेकिन इस त्रासदी में बचे एक पर्यटक ने दावा किया कि नृत्य प्रस्तुति के दौरान आतिशबाजी की गई और वही आग लगने की असली वजह हो सकती है. अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि लोग पणजी से 25 किलोमीटर दूर अरपोरा स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के भूतल पर फंस गए थे, जिसके कारण अधिकतर लोगों की मौत दम घुटने से हुई. मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने उन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संकल्प जताया, जिन्होंने सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन के बावजूद क्लब के संचालन की अनुमति दी. एक ग्राम अधिकारी ने दावा किया कि निर्माण अनधिकृत था और मालिकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस के मुताबिक, मृतकों में चार पर्यटक और 14 कर्मचारी शामिल हैं, जबकि बाकी सात की पहचान अभी नहीं हो पाई है. कांग्रेस के एक नेता ने आरोप लगाया कि इस प्रतिष्ठान के पास अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) या शराब बेचने की अनुमति भी नहीं थी. पुलिस के एक

वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है.'' उन्होंने बताया कि क्लब प्रबंधक और कार्यक्रम आयोजकों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है. अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने अरपोरा-नागोवा पंचायत के सरपंच रोशन रेडकर को हिरासत में लिया है, जिन्होंने 2013 में परिसर के लिए व्यापार लाइसेंस जारी किया था. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने इस घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया. प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''गोवा के अरपोरा में हुए हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी. घायलों को पचास-पचास हजार रुपये दिए जाएंगे. प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आग पहली मंजिल पर लगी थी और भीड़भाड़ होने एवं छोटे दरवाजों के कारण लोग बाहर नहीं भाग सके. मुख्यमंत्री सावंत ने बताया, ''कुछ लोग भूतल पर भाग गए और वहीं फंस गए.'' उन्होंने कहा, ''हम क्लब प्रबंधन और उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे,

गोवा अग्निकांड पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी ने दुख जताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा के अरपोरा में हुए भयावह अग्निकांड पर रविवार को गहरा दुख और शोक प्रकट किया राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया पर लिखा, उत्तरी गोवा जिले में आग लगने की दुखद घटना से बहुत दुख हुआ। इसमें कई कीमती जानें चली गईं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। भगवान उन्हें इस मुश्किल समय में हिम्मत दे। मैं घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करती हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दुर्घटना में हुई मौतों पर दुख जताते हुए घायल लोगों के जल्द ठीक होने की भी कामना की। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्थिति के बारे में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत से बात की है।

अखिलेश यादव ने साफकी तस्वीर

अकेले नहीं, इनके साथ लड़ेंगे चुनाव-अखिलेश

नई दिल्ली। कफ सिरप वालों को बताया 'माफिया'समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की सियासत में हलचल बढ़ा दी है। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर लगाए जा रहे कयासों पर विराम लगाते हुए उन्होंने अपनी रणनीति पूरी तरह साफकर दी है। अखिलेश ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी अकेले नहीं, बल्कि इंडिया गठबंधन के साथ मजबूती से मिलकर चुनावी मैदान में उतरेगी। उन्होंने दावा किया कि यूपी की जनता अब बड़े बदलाव के मूड में है और मौजूदा सरकार की नीतियों से तंग आ चुकी है।सपा प्रमुख ने केंद्र और

राज्य सरकार पर तीखे हमले करते हुए आर्थिक बदहाली का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आज देश में हालात ऐसे हो गए हैं कि रुपया डॉलर के मुकाबले 90 रुपये तक पहुंच गया है। उनके मुताबिक, महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद की आधारशिला रखने की पूर्व टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर की योजना के मद्देनजर लोग ईंटें लेकर चल रहे हैं, जिससे राज्य में राजनीतिक तापमान बढ़ गया है।

जशपुर में भयानक सड़क हादसा

कार-ट्रक की टक्कर में 5 लोगों की दर्दनाक मौत

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में रविवार तड़के एक भयानक सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई। दुलदुला थाना क्षेत्र के पतरातोली गांव के पास कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। पुलिस के अनुसार, ये पांच लोग कार से जशपुर की ओर जा रहे थे। रात करीब 3-4 बजे हादसा हुआ। टक्कर के बाद कार में फंसे सभी यात्री मौके पर ही दम तोड़ चुके थे। मौके पर पुलिस पहुंची और लाशों को अस्पताल भेजा। हादसे की जोरदार आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके

पर पहुंच गए। उन्होंने फौरन दुलदुला पुलिस को खबर की। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से मलबे में दबी लाशों को बाहर निकाला। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया।

नीतीश सरकार विकसित कर रही फिनटेक सिटी

अब बिहार के छात्रों को नौकरी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा

पटना/ एजेंसी

बिहार में नई एनडीए सरकार एक करोड़ नौकरी और रोजगार को लेकर किए गए अपने वादे को पूरी कोशिश की कवायद में जुट गई है। सीएम नीतीश कुमार का फोकस उद्योग पर है। इसी क्रम में सरकार ने यह तय किया है कि बिहार में अब गुजरात की गिफ्ट सिटी की तर्ज पर फिनटेक सिटी बनेगी। इसकी लागत हजार करोड़ रुपये से अधिक आएगी। इसमें आईटी, इंटरनेशनल बैंकिंग, शेयर, म्यूचुअल फंड समेत 450 से अधिक कंपनियां यहां अपना दफ्तर खोलेगी। इस सिटी में देश-विदेश की तमाम सुविधाएं के साथ आईटी, बैंकिंग, शेयर

उपलब्ध होगी। किसी कंपनी को दफ्तर लगाने में किसी तरह की दिक्कत न हो। उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार में उद्योग के विकास के लिए जरूरी है कि यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां यहां आए। अपना दफ्तर खोले। उद्योग बढ़ने मार्केट जैसी चीजों का विकास यहां अनिवार्य है। इन्हीं सब को ध्यान में रखते हुए एक फिनटेक सिटी यहां विकसित करने की योजना है। इस पर काम शुरू कर दिया गया है। पटना के फुलुहा में 242 एकड़ में इसे विकसित किया जा रहा है। पहले चरण में जमीन अधिग्रहण के लिए 408.8 करोड़ रुपये भी स्वीकृत कर दिए गए हैं। इससे उस इलाके का भी विकास होगा। इसे पटना और अन्य जिलों से भी जोड़ा जाएगा। अन्य राज्यों से आने वाले लोगों यहां आने में कोई परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखा जाएगा। उद्योग विभाग के अनुसार, बिहार में बनने जा रही है यह फिनटेक सिटी गुरुग्राम और नोएडा की तरह होगी।

सोनिया गांधी बोलीं- सरकार नेहरू को इतिहास से मिटाना चाहती है, अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा कि भाजपा का मुख्य उद्देश्य जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना है। उन्होंने भाजपा पर भारत के पहले प्रधानमंत्री को अपमानित, विकृत और बदनाम करने का आरोप लगाया। सोनिया ने कहा कि नेहरू के योगदान का विश्लेषण और आलोचना स्वागत योग्य है, लेकिन उनके लेखन और कथनों के साथ जानबूझकर की गई शरारत अस्वीकार्य है। उन्होंने ये बातें दिल्ली में जवाहर भवन में नेहरू केंद्र के उद्घाटन समारोह के दौरान कही। सोनिया ने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि नेहरू को बदनाम करना सत्ता का मुख्य मकसद है।

मांस-चावल का देंगे भोज

बाबरी मस्जिद के बाद अब कुरान ख्वानी आयोजित करेंगे हुमायूं.....

कोलकाता/ एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को कहा कि वह फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' (कुरान का पाठ करना) का आयोजन करेंगे। संतों व अध्यात्मिक गुरुओं के एक समूह ने बंगाल में पांच लाख लोगों के साथ भगवद गीता पाठ का आयोजन किया है। मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद की नींव रखने वाले कबीर ने कहा कि वह सभी प्रतिभागियों को मांस और चावल का भोज देंगे। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के

रेजिनगर में पत्रकारों से कहा, मैं फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' का आयोजन करूंगा। कबीर ने कहा, इसके बाद, बाबरी मस्जिद का निर्माण कार्य शुरू होगा।'' विभिन्न मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों से आए संतों व आध्यात्मिक गुरुओं के एक समूह 'सनातन संस्कृति संसद' ने कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में 'पांच लाख लोगों के साथ गीता पाठ' कार्यक्रम का आयोजन किया है। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। शनिवार को कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखी। राज्य पुलिस, त्वरित कार्रवाई बल और केंद्रीय बलों की भारी तैनाती के बीच, कबीर ने मौलवियों के साथ, रेजिनगर में एक विशाल मंच पर औपचारिक फीता काटा, जबकि वास्तविक मस्जिद निर्माण स्थल आयोजन स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर था। इस दौरान नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर'' के नारे लगे और हजारों लोग सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर उमड़ पड़े।

610 करोड़ रिफंड,3000 बैग भी लौटाए

6 दिन बाद इंडिगो की 1650 फ्लाइट्स पकड़ी रफ्तार-सीईओ

नई दिल्ली/ एजेंसी

इंडिगो एयरलाइंस में तकनीकी खराबी और स्टाफ की कमी के चलते पिछले कई दिनों से लगातार फ्लाइट रद्द होने और देरी की समस्या के बीच नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से बड़ा अपडेट सामने आया है। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि अब तक यात्रियों को कुल 610 करोड़ रुपये से अधिक के रिफंड प्रोसेस कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं, शनिवार तक देशभर में यात्रियों को 3000 बैग डिलीवर किए जा चुके हैं। बता दें कि सरकार ने इंडिगो को सख्त निर्देश दिए थे कि रद्द हुई उड़ानों के टिकटों का पूरा रिफंड रविवार शाम तक प्रोसेस कर लिया जाए और यात्रियों से अलग हुए सामान को अगले दो दिनों (48 घंटे) के अंदर डिलीवर कर दिया जाए। मंत्रालय की ओर जारी बयान में बताया गया है कि इंडिगो का विमानन नेटवर्क तेजी से पूरी तरह सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहा है और परिचालन पूरी तरह स्थिर होने तक सभी सुधारात्मक कदम जारी रहेंगे। एयरलाइन को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उड़ान रद्द होने या देरी की वजह से अलग हुए बैग का पता लगाकर उन्हें 48 घंटे के अंदर यात्रियों तक पहुंचाया जाए। बयान के अनुसार, इंडिगो ने अब तक 610 करोड़ रुपये से ज्यादा के रिफंड पूरे कर लिए हैं। रद्दीकरण से प्रभावित यात्रियों की उड़ानें पुनर्निर्धारित करने के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। रिफंड और दोबारा बुकिंग की समस्याओं का तुरंत समाधान करने के लिए विशेष हेल्प डेस्क बनाए गए हैं। ताकि यात्रियों को किसी तरह की देरी या

परेशानी न हो।मंत्रालय ने कहा कि इंडिगो के हालिया परिचालन संकट से पैदा हुई दिक्कतों को जल्द से जल्द दूर करने और यात्रियों को लगातार असुविधा न हो, इसके लिए मंत्रालय ने त्वरित और सख्त कदम उठाए हैं। देशभर में हवाई यातायात तेजी से स्थिर हो रहा है। अन्य सभी घरेलू एयरलाइंस पूरी क्षमता और सुचारु रूप से चल रही हैं, जबकि इंडिगो के परफॉर्मेंस में रविवार को निरंतर सुधार देखा गया है और उसका उड़ान शेड्यूल सामान्य स्तर की ओर तेजी से लौट रहा है।आंकड़ों के मुताबिक, इंडिगो की उड़ान संख्या शुक्रवार को 706 थी, जो शनिवार को बढ़कर 1565 हो गई और रविवार तक इसके 1650 तक पहुंचने की उम्मीद है। इसी क्रम में इंडिगो ने शनिवार तक पूरे देश में यात्रियों को 3000 बैग सफलतापूर्वक डिलीवर कर दिए हैं। यात्रियों की परेशानियों को कम करने के लिए एयरलाइन ने कई अहम कदम उठाए हैं। रद्दीकरण से प्रभावित हुए यात्री अगर अपनी उड़ान दोबारा शेड्यूल करते हैं, तो उनसे कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। रिफंड और बुकिंग से जुड़ी किसी भी समस्या के तुरंत समाधान के लिए विशेष हेल्प डेस्क भी बनाए गए हैं। सरकार का मकसद साफ है कि संकट से पैदा हुई दिक्कतों को जल्द से जल्द खत्म किया जाए ताकि लोगों का हवाई सफर दोबारा सुखद हो सके और उन्हें किसी तरह की देरी का सामना न करना पड़े।

इंडिगो संकट पर पायलटों का खुला पत्र; सीईओ एल्बस समेत शीर्ष प्रबंधन पर बदइंतजामी के गंभीर आरोप

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इन दिनों बड़े परिचालन संकट से जूझ रही है। इसी बीच सोशल मीडिया पर इंडिगो पायलटों का एक कथित ओपन लेटर आया है, जिसमें सीईओ पीटर एल्बर्स समेत कई शीर्ष अधिकारियों पर एयरलाइन को डूबने की कगार पर पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। यह पत्र किसी अनाम कर्मचारी द्वारा लिखा दावा किया गया है, जो खुद को वर्षों से इंडिगो की अंदरूनी स्थिति का गवाह बताता है। पत्र में कहा गया है कि इंडिगो एक दिन में नहीं गिरी, यह गिरावट कई वर्षों से बन रही थी। कथित खुले पत्र की शुरुआत 2006 में इंडिगो की स्थापना के जिक्र से होती है। लेखक का दावा है कि वर्षों के साथ कंपनी की शुरुआती ग्रोथ लालच में और गौरव अहंकार में बदल गई।

कांग्रेसियों ने मनाया डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस

दल्लीराजहरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दल्ली राजहरा के द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम संविधान निर्माता भारतरत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया और 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दिया गया। तत्पश्चात् हेमंत कांडे, जिला महामंत्री रतिराम कोसमा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक बांबेश्वर ने अम्बेडकर की जीवनी पर प्रकाश डाला और अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन उत्तर मंडल अध्यक्ष विवेक मसीह व आभार व्यक्त संतोष पाण्डेय ने किया।

इस अवसर पर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष शीबू नायर, जिला महामंत्री काशीराम निषाद, जिला सचिव युवराज साहू, रवि जायसवाल, के. ईश्वर राव, प्रमोद तिवारी, रामजतन भारद्वाज,जिला अध्यक्ष झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदीप बबलू, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक जुबैर अहमद,पार्षद रोशन पटेल, नेता प्रतिपक्ष सूरज विभार, ब्लॉक उपाध्यक्ष सुरेश ठाकुर, रामू शर्मा, रूबी एंथोनी, नगर अध्यक्ष युवक कांग्रेस परितोष हंसपाल, जसविंदर सिंह गिल, के. आशीष दास, प्रशांत राव, लक्ष्मण शर्मा, गौतम रामटेके, कमल कांत मेश्राम,संजय सोनवानी, नीतेश बांबेश्वर, प्रमोद चौधरी, कुलदीप नोनहारे, निहाल उइके मोहनीश पटेल, अमित मंगेर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन सम्मिलित हुए।

ऑलीखुटा में मितानिन ट्रेनिंग हॉल का लोकार्पण कांग्रेस के किसान नेता मदन साहू हुए सम्मिलित

डोंगरगांव नगर। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम आलीखुटा में निर्मित मितानिन ट्रेनिंग हॉल का लोकार्पण क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष मदन साहू के मुख्य आतिथ्य में तथा जनपद सदस्य सरिता मदन साहू व सरपंच बिरसिंग चंद्रवंशी की मौजूदगी में किया गया। इस मौके पर मितानिन सम्मान समारोह में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा मितानिनों को सम्मानित किया। मितानिन सम्मान समारोह में जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष मदन साहू ने सभी मितानिनों का सम्मान करते हुए कहा कि मितानिन स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। हर मोहल्ले, हर घर तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाने में इनका योगदान अद्वितीय है।

जच्चा बच्चा की देखभाल से लेकर वरिष्ठ नागरिकों के उपचार तक, मितानिन परिवार के हर सदस्य से जुड़कर सेवा करती हैं। समय-समय पर स्वास्थ्य लाभ, टीकाकरण और सर्वे कार्य में इनकी भूमिका सराहनीय है। कार्यक्रम में उपस्थित मितानिनों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे शासन की सभी स्वास्थ्य योजनाओं को गली गली तक पहुँचाने का दायित्व निभाती हैं। उन्होंने बताया कि वे पोलियो एवं बच्चों के टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की नियमित देखभाल एवं टीकाकरण, टीबी व अन्य गंभीर रोगों के लक्षण पहचानकर मरीजों को अस्पताल पहुँचाना, शासन के निर्देशानुसार सर्वे कार्य व रिपोर्ट तैयार करना जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ लगातार निभाती आ रही हैं। मितानिनों ने यह भी बताया कि उनकी मांग पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा डोंगरगांव ब्लॉक के लिए मितानिन ट्रेनिंग हॉल की स्वीकृति दी गई थी जो अब बनकर तैयार हो गया है और जिसका लोकार्पण आज जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक जुगन साहू, नीलिमा सिन्हा, गीता वैष्णव, प्रशिक्षक प्रमिला उइके, मीना वर्मा, दुलारी वर्मा, सीमा वैष्णव, पेमीन साहू, एमबाई साहू, मोहिनी साहू, चंद्रशिला बोरकर, माहेश्वरी राजपूत, नंदा सोनतेके, जानकी निषाद, ममता साहू, गोदावरी साहू, उषा साहू, दिनेश्वरी साहू, मोती साहू, तेजकुमारी साहू, रोहिणी साहू, सरिता साहू, रोहिणी चंद्रवंशी, राजकुमारी चंद्रवंशी उपस्थित थे।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

डोंगरगांव नगर । नगर के किलापारा वार्ड में एक किरायेदार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूत्रों के मुताबिक पवन पिता फगनू पटेल, 30 वर्ष, विवाहित था। अपने परिवार से अलग नगर के किलापारा में किराये के मकान में निवासरत था। युवक के परिवार से अलग रहने से तनाव में रहने की चर्चा उभरकर सामने आई है।

युवक ने 5 दिसम्बर शुक्रवार को संध्या 4 बजे एक कमरे में पंखे के हुक में दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक को भाजपाई व स्थानीय शासकीय कालेज में जनभागीदारी समिति अध्यक्ष योगेश पटेल का भाई बताया जा रहा है। डोंगरगांव पुलिस ने पंचनामा कर मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। पुलिस ने प्रथम दृष्टया आत्महत्या प्रतीत होने की बात कही है।

गौ प्रतिष्ठा यज्ञ शिव महापुराण हेतु निकाली गई भव्य कलश यात्रा

बेमेतरा। बेमेतरा नगर के कृषि उपज मंडी परिसर से गौ प्रतिष्ठा यज्ञ एवं शिवमहापुराण का प्रारंभिक दिवस पर भव्य कलश यात्रा में बड़ी संख्या में नगर एवं क्षेत्र के महिलाएं पीली एवं लाल साडी में पंक्ति बद्ध होकर सनातनी परंपरा के अनुसार पूर्ण अनुशासन से माता भद्रकाली मंदिर के पास तालाब से पवित्र कलश में जल लेकर नगर भ्रमण करते हुए यज्ञ स्थल कृषि उपज मंडी परिसर पहुंचे कलश यात्रा में सपाद लक्षेश्वर नाम सलधा से दण्डी स्वामी ज्योर्तिमयानंदः सरस्वती जी रथ पर विराजमान होकर कलश यात्रा में शामिल होकर नगर वासियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए इस आयोजन में शामिल होने के लिए नगर के लोगों को आमंत्रित करते हुए कहा कि क्षेत्र की सुख शांति एवं समृद्धि तथा पर्यावरण की शुद्धि के लिए यह यज्ञ किया जा रहा है आयोजन का दुसरा वर्ष है नगर एवं क्षेत्र वासियों के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है धर्मप्रेमी जनता का पूर्ण सहयोग मिल रहा है।कलश यात्रा गस्ती चौक, गौरव पथ, माता भद्रकाली मंदिर से प्रताप चौक, सिंगनल चौक होते हुए मण्डी परिसर पहूंची कलश यात्रा में मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, पार्षद चांदनी रोशन दत्ता, पार्षद विकास तम्बोली, पार्षद गौरव साहू, वर्षा गौतम, पिंकी नेमा,कुमुदिनी तिवारी आराधना दुबे, लता दुबे, मिनू पटेल, ललिता साहू,सावित्री रजक, अनिता मिश्रा, हेमलता शर्मा, वर्षा शर्मा, जानकी साहू, पिंकी गुप्ता, प्रेम कौर, गंगा सिन्हा, ज्योति नामदेव, हेमीन साहू, लेखमणी पाण्डेय, महेंद्र गुप्ता, रोशन दत्ता, अभ्भन सेन, पेरु साहु, नरोत्तम साहू, नंदकिशोर पाण्डेय, जय पाण्डेय, डी.के. तिवारी, राजकुमार चौहान, संजीव तिवारी, अनिल दुबे, हरिश शर्मा, टेकराम साहु, शौंखी लाल साहु, संदीप बैगा, महेश निषाद, महेश्वर प्रसाद श्रीवास, नरेश शर्मा,डॉ भुनेश्वर साहू, पुरुषोत्तम पटेल,मनोज दुबे, प्रहलाद मिश्रा, अनिल मिश्रा, अश्वनी पाण्डेय,संजय दुबे, महेंद्र चौहान शामिल हुए।

अमृत मिशन महिलाओं के आत्मनिर्भरता की ओर महत्वपूर्ण कदम

दल्लीराजहरा। केंद्र सरकार के अमृत मिशन के अंतर्गत संचालित महत्वाकांक्षी पहल 'वुमेन फॉर ट्री' पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिलाओं के मामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन कर उभर रही है। यह योजना न केवल वृक्षारोपण को प्रोत्साहित कर रही है, बल्कि महिला स्व-सहायता समूहों को रोजगार उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। 'वुमेन फॉर ट्री' योजना तहत जिले के 08 नगरीय निकायों में अब तक 6,950 पेड़ रोपे जा चुके हैं। वृक्षारोपण से लेकर पौधों की देखभाल, सिंचाई, सुरक्षा और रखरखाव की जिम्मेदारी जिले की विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपी गई है। महिलाओं की इस प्रत्यक्ष भागीदारी ने न केवल पौधों के संरक्षण प्रतिशत को बढ़ाया है, बल्कि सामाजिक स्तर पर पर्यावरणीय चेतना को भी मजबूत किया है। योजना से जिले की महिलाओं को रोजगार मिल रहा है। अब तक 66 महिलाओं को योजना के माध्यम से रोजगार प्रदान किया जा चुका है। इन सभी महिला कार्यकर्ताओं को प्रति माह 08 हजार रुपये का मानदेय दिया जा रहा है, जिससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति में स्थिर सुधार हो रहा है। सरकार द्वारा सभी महिला कार्यकर्ताओं को कार्य सुविधा हेतु साड़ी, जैकेट, जूते तथा संपूर्ण टूलकिट (फावड़ा, कुदाली, बेलचा, धमेला) उपलब्ध कराया गया है। कई महिलाओं ने बताया है कि इस आय से वे अपने बच्चों की पढ़ाई, घरेलू खर्च एवं स्वयं के विकास में योगदान दे पा रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा आने वाले महीनों में वृक्षारोपण के दायरे को और विस्तृत किया जाएगा। योजना का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक महिलाओं को इससे जोड़कर रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाए साथ ही, पौधों के संरक्षण के लिए तकनीकी एवं प्रशिक्षण सहयोग भी महिलाओं को प्रदान किया जाएगा। प्रशासन ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि 'वुमेन फॉर ट्री' योजना को सफल बनाने में सहयोग करें। प्रशासन ने सभी पंचायतों, संस्थाओं और समाजसेवी संगठनों को भी इस अभियान से जुड़ने का अनुरोध किया है ताकि जिले को और अधिक हराभरा, स्वच्छ तथा पर्यावरण-अनुकूल जिला बनाया जा सके।

'वुमेन फॉर ट्री' योजना न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण का एक प्रभावी माध्यम भी है। महिलाओं की भागीदारी से पौधों के संरक्षण दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होने कहा कि जिले की अधिक से अधिक महिलाएँ इस अभियान से हरियाली व स्वच्छता के क्षेत्र में एक मॉडल जिले के रूप में स्थापित करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए भी लगातार कार्य कर रही है।

स्वामी आत्मानंद स्मृति उत्कृष्ट विद्यालयों का अस्तित्व समाप्त करने में लगी है भाजपा सरकार : आशीष

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी की विष्णु देव साय सरकार कांग्रेस सरकार के समय प्रारंभ की गई स्वामी आत्मानंद स्मृति उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की स्थापना की गई थी जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ के गरीब मध्य वर्गी परिवार के लोग अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम की उत्कृष्ट शिक्षा शासकीय विद्यालय में निशुल्क प्राप्त करवा सके और यह योजना छत्तीसगढ़ में सफल भी हुई जिसका उदाहरण है कि प्रदेश के हर कोने से स्वामी आत्मानंद स्मृति उत्कृष्ट विद्यालय खोलने की मांग उठी दुर्भाग्य का विषय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में भाजपा की सरकार आते ही शिक्षा के इस पवित्र मंदिर को राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता वश निशाने में लिया गया और उसका अस्तित्व मिटने की पुरजोर प्रयास किया जा रहे हैं इसी कड़ी में बेमेतरा जिले में भी खनिज न्यास मद से गैर जरूरी कामों पर लाखों करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं किंतु स्वामी आत्मानंद स्मृति अंग्रेजी मध्य विद्यालयों के शिक्षकों का वेतन विद्यालयों के रखरखाव के लिए शासन प्रशासन के पास पैसा नहीं है यह जानबूझकर किया जा रहा है ताकि इन स्कूलों को बंद किया जा सके भाजपा की सरकार नहीं चाहती कि गरीब के बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें क्योंकि वह बच्चे आगे चलकर शासन प्रशासन से सवाल करेंगे और भाजपा शासन सवाल के जवाब देने की स्थिति में नहीं है पूरे राज्य में चारों ओर लूट मची हुई है भाजपा पदाधिकारी राज्य की जनता को लूटने में लगे हुए हैं अपनी तिजोरिया भर रहे हैं उन्हें लोगों के स्वास्थ्य शिक्षा जैसे विषयों से कोई लेना-देना नहीं है यह विषय उन्हें सिर्फ चुनाव में ख्याल आते हैं और बड़े-बड़े लोग लोकलुभावन वादे करके भाजपा के लोग भूल जाते हैं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने स्वामी आत्मानंद स्मृति विद्यालयों की रखरखाव को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की है तथा शासन से मांग की है कि गरीब परिवारों के सपनों के साथ खिलवाड़ ना किया जाए उनके बच्चों को उत्कृष्ट विद्यालय में उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने में शासन सहायक बने ना की अवरोधक।

प्राचार्य बने व्याख्याताओं का बिदाई सम्मान समारोह

बेमेतरा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बेमेतरा के व्याख्याता से प्राचार्य पद पर पदोन्नत हुए दोनों व्याख्याताओं का बिदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम नवनियुक्त प्राचार्य सुनील झा एवं रेखा सोनी ने मां सरस्वती पूजन किया। तत्पश्चात प्राचार्य कविता बाचपेयी दोनों नवनियुक्त प्राचार्यों का स्वागत किया। ज्ञात हो संस्था के व्याख्याताद्वय सुनील झा प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल नरी एवं रेखा सोनी प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल कोबिया के पद पर नियुक्त हुई हैं। दोनों के कार्य व व्यवहार को याद करते हुए प्रधान पाठक रामेश्वर बंजारे ने स्वस्थ जीवन की कामना की। वरिष्ठ व्याख्याता डी आर साहू ने दोनों की कार्य कुशलता सहयोगात्मक रवैया को याद किया। रेखा सोनी ने विद्यालय में बिताए लम्हों को याद करते हुए स्नेह व अपनत्व के लिए धन्यवाद दिया। प्राचार्य सुनील झा ने स्टॉफ से अनुभव शेयर करते हुए सम्मान के लिए धन्यवाद किया। प्राचार्य कविता बाचपेयी ने दोनों नवनियुक्त प्राचार्यों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि आप दोनों के नेतृत्व में आपका विद्यालय जिले में अलग पहचान बनाने में सफल होगा। तत्पश्चात प्राचार्य ने शाल श्रीफल उपहार से दोनों का सम्मान किया।

आभार प्रदर्शन संतोष मिश्रा एवं संचालन योगेन्द्र वर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रमोद ठाकुर, ऋचा मिश्रा ,नेहा ठाकुर, सोमा घोष,आराधना जोसेफ ऋचा दुबे, कौशल वर्मा, नरेन्द्र देवांगन, अल्का वासनिक, रेणुका अग्रवाल, रोहिणी साहू, राखी सोनी, प्रभांशु शर्मा, राजेश देवांगन इत्यादि स्टॉफ सदस्य उपस्थित थे।

ग्राफ्टेड बैगन तकनीक से आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा है अड़जाल का किसान संतोष

दल्लीराजहरा। उद्यानिकी विभाग की ग्राफ्टेड बैगन तकनीक से डौण्डी विकासखण्ड के वनांचल के ग्राम अड़जाल का किसान संतोष कुमार आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा है। किसान संतोष उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में ग्राफ्टेड बैगन की खेती कर 01 एकड़ की खेती से 05 लाख तक की आय अर्जित कर रहा है। किसान संतोष कुमार पहले अपनी एक एकड़ भूमि पर पारंपरिक खरीफ धान की खेती करते थे। उन्हें पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाता था और खेत भी अक्सर पड़त रहती थी। उन्होंने बताया कि जब उन्हें उद्यानिकी विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी मिली। जिसके अंतर्गत अनुदान पर हाईब्रिड पौधे और बीज उपलब्ध कराए जाते हैं। किसान संतोष ने धान के स्थान पर अपने एक एकड़ खेत में ग्राफ्टेड बैगन की खेती अपनाई, जिसमें उन्होंने कुल 30 हजार पौधे रोपे। उत्पादन शुरू होने पर न केवल उनके घर में सब्जियां आसानी से उपलब्ध होने से उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया। उन्होंने बताया कि अब तक उन्हें लगभग 250 क्विंटल बैगन का उत्पादन कर चुके है। उन्होंने बताया कि वर्तमान बाजार मूल्य 20 से 25 प्रति किग्रा. की दर से उन्हें अपनी 01 एकड़ की ग्राफ्टेड बैगन की खेती से लगभग 05 लाख तक की आय प्राप्त हो चुकी है। किसान संतोष ने बताया कि उद्यानिकी विभाग की योजनाओं से लाभान्वित होकर अब वह अधिक आय अर्जित कर रहे हैं।

बेमेतरा जिले में 16087 बोरा अवैध धान जब्त

बेमेतरा। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में अवैध धान परिवहन, भंडारण एवं अनियमित व्यापार के विरुद्ध सघन अभियान लगातार जारी है। जिला प्रशासन की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से अब तक लगभग 101 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है, जिनमें थोक विक्रेता, प्रोसेसर, कोचिया, अन्य व्यापारी तथा अंतर्राज्यीय परिवहनकर्ता शामिल हैं। अब तक की कार्रवाई में प्रशासन ने कुल 16,087 बोरा, अर्थात 6433.80 क्विंटल धान जब्त किया है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 1,46, 39,220.00 है। यह कार्रवाई जिले में अवैध धान गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण का स्पष्ट संकेत है, जिससे न केवल सरकारी उपार्जन व्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि वास्तविक किसानों के हितों की भी दृढ़ सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। कलेक्टर रणबीर शर्मा के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस, खाद्य, मार्कफेड तथा कृषि विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा रोजाना गांव स्तर से लेकर अंतर्राज्यीय सीमाओं तक लगातार सघन निगरानी व निरीक्षण किया जा रहा है। विशेष अभियान के अंतर्गत टीमों ने रात-दिन गश्त, वाहन चेकिंग, संदिग्ध गोदामों का निरीक्षण, सूचना आधारित छापेमारी तथा नियमों के उल्लंघन पर तत्काल जप्ती जैसी निर्णायक कार्यवाही की है। अवैध परिवहन में पकड़े गए वाहनों एवं व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, धान उपार्जन नीतियों तथा अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जप्त किए गए धान को शासकीय गोदामों में सुरक्षित रखा गया है और संबंधित प्रकरणों की विधिक प्रक्रिया जारी है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और बेमेतरा जिले में अवैध धान खरीदी-बिक्री, भंडारण तथा परिवहन पूरी तरह प्रतिबंधित है। कलेक्टर शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उपार्जन अवधि के दौरान सतत निगरानी, टीमों की सक्रियता और अचानक निरीक्षण को और अधिक सुदृढ़ किया जाए, ताकि जिले को अवैध व्यापार से पूर्णतः मुक्त रखा जा सके। जिला प्रशासन की इस सक्रिय और प्रभावी पहल से जिले में पारदर्शी एवं नियम आधारित उपार्जन व्यवस्था मजबूत हुई है तथा किसानों को उचित मूल्य दिलाने का मार्ग और अधिक सुरक्षित हुआ है।

विवाह में शामिल अतिथियों का बनोरा आश्रम ने जताया आभार

रायगढ़। अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट बनोरा की मुख्य शाखा रायगढ़ में आज संघ के पूर्ण कालिक कार्यकर्ता बिदेश्वर साहू के पुत्र डॉक्टर कुमार विक्रम साहू का विवाह राजेश साहू की सुपुत्री डॉक्टर हेम पुष्पा साहू के साथ आश्रम पद्धति के साथ सम्पन्न हुआ। सूबे के मुखिया विष्णु देव साय इस विवाह समारोह में शामिल हुए और नवदंपति को आशीर्वाद दिया। पूज्य बाबा प्रियदर्शी राम जी ने भी नव विवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए गृहस्थ जीवन पर प्रवेश की बधाई दी। आश्रम में विवाह की यह परम्परा खर्चीली शादियों पर रोकथाम लगाने में कामयाब सिद्ध हुई है।वही दहेज की बढ़ती कुप्रथा पर भी रोकथाम लगी है। विवाह में शामिल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए बनोरा प्रबंधन ने कहा उनकी गरिमामय उपस्थिति से खर्चीली शादियों पर रोक सहित दहेज जैसी कुप्रथा पर रोक लगाने का समाज में साकारात्मक सन्देश जायेगा। वर बधू के माता पिता सहित विवाह में शामिल लोगों का भी आश्रम की ओर से आभार जताया गया।

संक्षिप्त समाचार

ग्राफ्टेड बैंगन तकनीक से अड़जाल के किसान संतोष हुए आर्थिक रूप से सशक्त

रायपुर। उद्यानिकी विभाग की ग्राफ्टेड बैंगन तकनीक ने बालोद के डौण्डी विकासखण्ड के वनांचल ग्राम अड़जाल के किसान संतोष कुमार के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाया है। विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से उन्होंने ग्राफ्टेड बैंगन की आधुनिक खेती अपनाई, जिसके परिणामस्वरूप मात्र 01 एकड़ भूमि से उन्हें 05 लाख रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है। पहले किसान संतोष पारंपरिक खरीफ धान की खेती करते थे, जिससे उन्हें पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाता था और भूमि भी कई बार खाली रह जाती थी। इसी दौरान उन्हें उद्यानिकी विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी मिली, जिनके तहत किसानों को अनुदान पर हाईब्रिड पौधे और बीज उपलब्ध कराए जाते हैं। संतोष कुमार ने धान के स्थान पर ग्राफ्टेड बैंगन की खेती करने का निर्णय लिया और अपने एक एकड़ खेत में कुल 30 हजार पौधे रोपे। उत्पादन शुरू होते ही न केवल उनके घर में ताज़ा सब्जियों की उपलब्धता बढ़ी, बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होने लगी। उन्होंने बताया कि अब तक वे लगभग 250 क्विंटल बैंगन का उत्पादन कर चुके हैं। वर्तमान बाजार मूल्य 20 से 25 रुपये प्रति किलोग्राम के अनुसार उनकी एक एकड़ की ग्राफ्टेड बैंगन खेती से लगभग 05 लाख रुपये तक का लाभ प्राप्त हुआ है। किसान संतोष कुमार का कहना है कि उद्यानिकी विभाग की योजना का लाभ उठाकर वे आज अधिक आय अर्जित कर रहे हैं और अपने परिवार की आर्थिक कमजोरी को दूर कर रहे हैं।

नवा रायपुर में बनेगा मध्य भारत का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड खाद्य एवं औषधि परीक्षण लैब

रायपुर। नवा रायपुर में मध्य भारत की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला का निर्माण होने जा रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ में नकली खाद्य सामग्री और दवाओं की जांच में तेजी आएगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि यह प्रयोगशाला नवा रायपुर के डेढ़ एकड़ के कैंपस में स्थापित की जाएगी। इससे पहले दूसरे राज्यों से नमूने जांच के लिए भेजे जाते थे और रिपोर्ट आने में कई महीने लग जाते थे, लेकिन नई सुविधा के साथ अब जांच रिपोर्ट घंटों में उपलब्ध हो जाएगी और आवश्यक कार्रवाई तुरंत की जा सकेगी। मंत्री जयसवाल ने कहा कि यह लैब मुख्य बजट 2025-26 की बड़ी घोषणाओं में से एक है। निर्माण के लिए 46.49 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है और मशीनरी सहित पूरी लैब का खर्च लगभग 100 करोड़ रुपये होगा। इस सुविधा के शुरू होने के बाद छत्तीसगढ़ की दूसरे राज्यों पर निर्भरता पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। उन्होंने बताया कि लैब के बनने के बाद रासायनिक परीक्षण क्षमता सालाना 500-800 नमूनों से बढ़कर 7,000-8,000 नमूने प्रतिवर्ष हो जाएगी। माइक्रोबायोलॉजिकल परीक्षण, जैसे कि इंजेक्शन और आई ड्रॉप, अब सालाना 2,000 नमूने तक होंगे। इसके अलावा, मेडिकल डिवाइस जैसे हाथ के दस्ताने, कैथेटर आदि जिनका वर्तमान में परीक्षण नहीं हो रहा था, अब सालाना 500 नमूनों की जांच की जाएगी। फार्मास्यूटिकल्स नमूनों की जांच क्षमता भी 50 से बढ़ाकर 1,000 नमूने प्रतिवर्ष की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लैब में अत्याधुनिक तकनीक और मशीनरी लगाई जाएगी। इससे छत्तीसगढ़ में नकली दवाओं और मिलावटी खाद्य पदार्थों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। यह प्रयोगशाला न केवल राज्य में सुरक्षा बढ़ाएगी, बल्कि मध्य भारत के अन्य राज्यों के लिए भी एक रिफरेंस सेंटर के रूप में कार्य करेगी। जैसवाल ने कहा कि लैब निर्माण का कार्य तेजी से पूरा किया जाएगा और जल्द ही सभी विभागीय कार्यों और अनुमोदनों के बाद इसका उद्घाटन होगा।

नदी किनारे जुआ नेटवर्क का पर्दाफाश, तीन जुआरी गिरफ्तार

रायपुर। जिले में जुआ और सट्टे के मामलों में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए एसपी विजय पाण्डेय ने अवैध गतिविधियों पर कड़ी नकेल कसने के लिए विशेष रणनीति बनाई है। इस रणनीति के तहत पुलिस की गुप्त निगरानी और सूचना तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। इसका असर अब सामने आया है जब शिवरीनारायण थाना पुलिस ने नदी किनारे सक्रिय छोटे जुआ नेटवर्क की पहचान कर छापामार कार्रवाई की और मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई जिले भर में चल रहे एंटी-गैम्बलिंग अभियान का हिस्सा मानी जा रही है। एसपी पाण्डेय ने हाल ही में ऐसे अभियान को तेज करने के निर्देश दिए थे, ताकि जुआ और सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों को जड़ से समाप्त किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, पुलिस की गुप्त टीम ने कई दिनों से नदी किनारे चल रही संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। टीम ने जब पुख्ता जानकारी जुटाई, तब तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। इसके बाद एएसपी उमेश कश्यप और एसडीओपी यदुमनी सिदार के मार्गदर्शन में पुलिस दलबल के साथ कार्रवाई में जुट गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके पर ही तीन आरोपियों को धर दबोचा। आरोपियों की पहचान प्यारेलाल कुंभकार, मनोज केवट और राजेश्वर केवट के रूप में हुई।

मंत्री कश्यप ने जैसाकर्रा में किया इंदरू केंवट नेचर पार्क का लोकार्पण

वन हम आदिवासियों का जीवन आधार हैं,इनका संरक्षण करें.....

- 50 लाख रूपए की लागत से तैयार किया गया है इंदरू केंवट नेचर पार्क

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर संभाग के कांकेर जिला अंतर्गत चारामा के ग्राम जैसाकर्रा में स्थापित इंदरू केंवट नेचर पार्क का लोकार्पण किया। समारोह में भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी भी मौजूद थी। चारामा वन परिक्षेत्र के ग्राम जैसाकर्रा में इस नेचर पार्क का निर्माण 49 लाख 85 हजार रूपए की लागत से किया गया है। नेचर पार्क के लोकार्पण अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह नेचर पार्क बहुत अच्छा बना है। भविष्य में इसका और विकास किया जाएगा। इसके विकास में नेचर को ध्यान रखें और कांक्रीट का

ज्यादा उपयोग न किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि हमारा बस्तर वनों से आच्छादित है। इसके महत्व को समझें और इसका संरक्षण करते हुए वनोपज के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करें।श्री कश्यप ने कहा कि हम आदिवासी प्रकृति पुत्र हैं और जंगल हम आदिवासियों के जीवन का आधार है। जंगलों से मिलने वाली हर चीज हमारे दैनिक जीवन में काम आती है। पेड़, पौधों, जंगलों और वन्य जीवों की सुरक्षा हम सबका दायित्व है। हम सब मिलकर इनका संरक्षण करें। उल्लेखनीय है कि चारामा परिक्षेत्र के सिरसिदा बीट के कक्ष क्रमांक 1474 में वित्तीय वर्ष 2024-25 में पर्यावरण वानिकी मद से 49 लाख 85 हजार रूपए की लागत से इंदरू केंवट नेचर पार्क जैसाकर्रा का निर्माण किया गया है, जो लगभग दो हेक्टेयर वन भूमि में फैला है। पर्यावरणीय शिक्षा, वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता और प्रकृति संरक्षण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना तथा स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, पर्यटकां और शोधार्थियों को प्रकृति के समीप लाना इसका मुख्य उद्देश्य है। ताकि वे वन, वनस्पति, जीव-जंतु और पारिस्थितिकी के महत्व से अवगत हो सकें। नेचर पार्क में एक प्रवेश द्वार, टिकट काउंटर, पर्यटकों के लिए नेचर ट्रेल्स, लॉन एरिया, गार्डन, ओपन जिम, छोटे बच्चों हेतु प्ले एरिया, बैठने हेतु पैगोडा निर्माण, फव्वारा, शौचालय, पौधों की सिंचाई के लिए ओवरहेड टैंक एवं बंबू सैटम आदि का निर्माण किया गया है। यहां 40 प्रकार के फूलदार पौधे, 50 वृक्ष प्रजाति के पौधे, 20 प्रजाति के औषधीय पौधे तथा 17 प्रजाति के बांस के पौधों का रोपण किया गया है। सुंदर फूल और हरे भरे पौधे लोगों का दिल जीत लेते हैं। इसका संचालन वन प्रबंधन समिति जैसाकर्रा द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सावित्री मंडावी ने कहा कि इंदरू केंवट नेचर पार्क से आम लोगों को फायदा मिलेगा, साथ ही पर्यवरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वन और वन्य प्राणियों की सुरक्षा हम सब का दायित्व है।

कलेक्टर के निर्देश पर अवैध धान परिवहन भंडारण पर कार्रवाई

- खरीफ2025-26 में अब तक 42 प्रकरण दर्ज, कुल 1537 क्विंटल धान जब्त
- पराग ट्रेडर्स राईस मिल कुर्रा पर कार्रवाई कर 508 क्विंटल धान जब्त

रायपुर/ संवाददाता

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार खरीफ वर्ष 2025-26 में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई खाद्य विभाग, राजस्व विभाग तथा मंडी समिति के संयुक्त टीम द्वारा 13 नवंबर से 1 दिसंबर में बीच की गई है। संयुक्त निरीक्षण दल ने रायपुर जिले में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रायपुर टूरई कचरा मिल में रखे गए स्टॉक की गहन जांच की गई। दी गई जानकारी के अनुसार खरीफसीजन 2025-26 में अब तक 42 प्रकरण दर्ज किए गए। 1537.60 क्विंटल धान जब्त किए गए।13 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2025 के बीच विभिन्न मंडी क्षेत्रों में संयुक्त टीमों द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया गया। रायपुर मंडी क्षेत्र में कुल 12 प्रकरण के साथ सारागांव, सिलयारी, तर्रा, पथरी, मोहंदी, पावनी सहित अन्य स्थानों से 472 क्विंटल, नवापारा मंडी क्षेत्र से 10 प्रकरण के साथ तर्री, चंपारण, सेमरा टीला, पोड़, नवापारा, तामासिवनी क्षेत्रों से 167.40 क्विंटल जब्त की गई तथा कुर्रा पराग ट्रेडर्स राईस मिल से 508 क्विंटल जब्त किए गए। साथ मामलों में धारा 19 के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इसी तरह आरंग मंडी क्षेत्र में 3 प्रकरण के साथ आरंग तथा गुल्लू से 56.80 क्विंटल जब्त किया गया। रसाथ ही नेवरा मंडी क्षेत्र से 14 प्रकरण दर्ज करते हुए कोटा, शरारीडीह, नेवरा, खरोरा, तुलसी, परसदा आदि क्षेत्रों से 298.40 क्विंटल एवं अभनपुर मंडी क्षेत्र से 2 प्रकरण दर्ज करते हुए अभनपुर एवं चंडी क्षेत्र से 35 क्विंटल जब्त किया गया।

नारी शक्ति से विकास:महिलाओं के नेतृत्व वाली प्रगति पर फोकस करने की ज़रुरत...

रायपुर। संवाददाता

लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण हमारे उज्जवल आज और बदलते कल के लिए बेहद ज़रुरी आधार है। तेज़ रफ्तार से आगे बढ़ते इस वक्त में हम लैंगिक समानता हासिल करने के लिए एक और शताब्दी तक इंतज़ार नहीं कर सकते। नारी शक्ति और भारत की विश्व को सभ्यतागत देन, महिलाओं को देवी के रूप में देखने की मूल अवधारणा को अब महज़ एक प्रतीक से आगे ले जाकर व्यावहारिक जीवन में लाना होगा और महिलाओं के प्रति सम्मान की हमारी विरासत को महिलाओं के नेतृत्व वाले सतत् विकास के मार्ग पर ले जाना होगा। जब आधी मानवता की स्वतंत्रता और जीवन जीने के अवसर बढ़ते हैं, तो नए समाज में फिर से एक नई ऊर्जा का संचार होता है। लैंगिक समानता अपने आप में एक आदर्श विचार है, और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, तकनीकी और पर्यावरणीय प्रगति का एक शक्तिशाली कारक भी है। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट की 2015 की रिपोर्ट, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित वर्ष 2024 का विश्लेषण और ईवाय का इंडियाज्ञ100 कार्य, मिलकर एक ठोस आर्थिक तर्क पेश करते हैं: लैंगिक अंतर को कम करने से सकल घरेलू उत्पाद में 20 से 30त्न की वृद्धि हो सकती है और यह भारत के लिए 2047 तक 28 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए बेहद ज़रुरी है। भारत एक जनसांख्यिकीय दौर से गुज़र रहा है। हमारी युवा आबादी का तभी लाभ उठाया जा सकता है, जब वह महिलाओं के लिए फायदेमंद हो। प्रजनन क्षमता घट रही है और लड़कियों तथा युवतियों की महत्वाकांक्षाएँ बढ़ रही हैं, भारत अब उच्च शिक्षा में लगभग बराबरी पर है और करीब 43त्न स्टेम छात्राएँ हैं। कई सालों तक महिलाओं के काम को अनौपचारिक और अदृश्य बनाए रखने के बाद, आखिरकार महिलाओं की श्रमशक्ति में भागीदारी फिर से बढ़ने लगी है।

मुख्यमंत्री से अखिल विश्व गायत्री परिवार के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की

आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में आदिवासी बेघर किये जा रहे

सरगुजा के अमेरा कोल खदान की घटना सरकार की हठधर्मिता-बैज

रायपुर। संवाददाता

सरकार कोयले के लिये जबरिया जल, जंगल, जमीन की बेदखली करने पर उतर आई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में आदिवासी बेघर किये जा रहे है। सरगुजा के अमेरा कोल माइंस क्षेत्र में जबरिया विस्थापन करने और कोयला उत्खनन करने गए जिला प्रशासन, एस.ई.सी.एल और सुरक्षा बलों के साथ टकराव हुआ। गांव वालों और आदिवासियों पे लाठियां चलवाई गई, उत्तेजित ग्रामवासियों ने पथराव भी किया, दोनों तरफसे लोग घायल हुए। यह

स्थिति सरकार की हठधर्मिता और जबरिया उत्खनन करने की नीति का परिणाम है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि गांव वाले अपनी पुश्तैनी जमीन देना नहीं चाह रहे। सरकार जबरिया अधिग्रहित कर वहां खदान शुरू करवाना चाह रही। अधिकांश लोगों ने मुआवजा भी नहीं लिया है। ग्राम सभा और ग्राम के निवासी नहीं चाहते कि उनके गांव में कोयला का उत्खनन हो। उसका कहा है इसमें उनके इलाके खेती, बाड़ी, पर्यावरण सभी तबाह हो जायेगा। ग्रामवासी अपनी जमीनों और जंगल की बर्बादी नहीं चाहते। सरकार वहां जबरीया खोदाई करना चाह रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य में जब से भाजपा की सरकार बनी है पूरे प्रदेश में यही स्थिति बनी है। हसदेव, तमनार से लेकर सभी जगह स्थानीय निवासियों की मर्जी के बिना उनको बेदखल किया जा रहा।

रायपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट की देरी से हंगामा

रायपुर। रायपुर एयरपोर्ट पर आज इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइटों में देरी और रद्द होने के कारण पैसेंजरों में भारी हंगामा देखने को मिला। दोपहर की कई फ्लाइटें अब तक उड़ान भरने में सक्षम नहीं हो पाईं, जिससे बैंगलोर, दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता जाने वाले यात्री एयरपोर्ट पर लंबे समय से इंतजार करते रहे। यात्री बताते हैं कि उन्हें इंडिगो द्वारा फ्लाइट डिले या कैंसिल होने की समय पर सूचना नहीं दी गई, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई। एयरपोर्ट के वेटिंग एरिया में यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी और कुछ यात्री नाराज होकर एयरपोर्ट प्रशासन और एयरलाइंस दोनों से अपनी शिकायतें कर रहे थे। इस दौरान यात्रियों का कहना था कि इंडिगो फ्लाइट की देरी के बारे में पूर्व में जानकारी नहीं देने से उन्हें अपनी योजनाओं में बाधा आई है। कई यात्रियों को अपने काम और यात्राओं के लिए अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ा। एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे यात्री इस दौरान असहज स्थिति में थे। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों को शांत करने और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास किए, लेकिन इंडिगो की फ्लाइटों में देरी के कारण माहौल तनावपूर्ण रहा। यात्रियों की भीड़ और बढ़ती नाराजगी को देखते हुए सुरक्षा कर्मचारियों को तैनात किया गया।

डीजल चोर गिरोह पकड़ाया 315 लीटर डीजल जब्त.....

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर पुलिस ने डीजल चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मामले में पुलिस ने तीन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 315 लीटर डीजल तथा चोरी करने का सामान जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार एक प्रार्थी ने 3 दिसंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 03/12/25 को रात्रि लगभग 10 बजे वह अपने मालिक के 18 चक्का ट्रक क्रमांक डब्ल्यू बी 35 4988 को चलाते हुए रायगढ़ से रायपुर जाने के लिये निकला था जो रात्रि लगभग 1 बजे ग्राम मांठ दशमेश ढ़ाबा के पास पहुंचकर गाड़ी को खड़ी कर खाना खाया और ट्रक में सो गया। लगभग 4 बजे उठा तो उसे पता चला कि कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा उक्त ट्रक के डीजल टंकी के ढक्कन को खोलकर लगभग 200 लीटर डीजल कीमत लगभग 18664 को चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध कायमकर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान घटना स्थल का निरीक्षण कर साक्षीयो का बयान लिया गया है तथा प्रकरण में संदेही आरोपी रामगोपाल आदिले, राहुल बर्मन एवं अशोक कुमार शाह को पकड़कर अलग-अलग पूछताछ किया गया। जिसमें उन्होने बताया कि रामगोपाल आदिले, राहुल बर्मन, अशोक कुमार शाह, परदेश बंजारे एक साथ मिलकर विगत् पांच-छः सालो से तखतपुर , पिपरिया (कबीरधाम) एवं अलग-अलग क्षेत्रो में डीजल चोरी करते है तथा उस चोरी के डीजल को विरेन्द्र श्रीवास निवासी ग्राम लमेर (बिलासपुर) को बेचते है।

लगभग 83 हजार मकानों का निर्माण पूर्ण

2016 से अब तक 1.12 लाख से अधिक आवास योजना स्वीकृत

- 2016 से अब तक 1.12 लाख से अधिक हजारों परिवारों को मिला नया पक्का घर सालों से टपकती छत से मिली मुक्ति

रायपुर/ संवाददाता

खपरैल की छत, बारिश में टपकता पानी, सर्प-बिच्छुओं का खतरा और आर्थिक तंगी इन समस्याओं के बीच वर्षों तक ग्रामीण परिवार पक्के आवास का सपना संजोए बैठे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीबों को सुरक्षित और पक्का आवास प्रदान करने के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना लागू हुई, जिसने देशभर के लाखों परिवारों के जीवन में स्थायी परिवर्तन लाया है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस योजना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने प्रथम कैबिनेट में ही 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों को मंजूरी प्रदान की थी, जिसका क्रियान्वयन तेजी से प्रदेश में किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर रायपुर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली 13,000 हितग्राहियों को नए घरों का गृह प्रवेश कराया। यह उन परिवारों के लिए वर्षों पुराने सपने के पूरे होने जैसा क्षण था, जो लगातार कच्चे मकान की दिक्कतों से जूझ रहे थे। जशपुर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 2016 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक 1 लाख 12 हज़ार 506 आवास स्वीकृत हुए, जिनमें से 82 हज़ार 881 मकान पूर्ण हो चुके हैं। इसी तरह वर्ष 2024 से वित्तीय वर्ष 2025- 26 तक स्वीकृत 50 हज़ार 722 आवासों में से 23 हज़ार 970 का निर्माण पूरा हो

गया है। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 2 हज़ार 038 आवास स्वीकृत हुए, जिनमें से 984 मकान पूर्ण कर लिए गए हैं। जशपुर जिले में निवासरत हजारों गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत पक्का मकान प्रदान किया गया है, जिससे वे सम्मानपूर्वक और सुरिक्षत जीवन जी रहे हैं, इनमें से मनोरा विकासखंड के ग्राम बुमतेल के श्री लखन उरांव वर्षों तक कच्चे मकान में रहते थे। बरसात में छत से पानी टपकना, तेज हवा-ठंड में बच्चों को सुरक्षित रखना और बार-बार मरम्मत करवाना उनकी रोजमर्रा की समस्या थी। प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला पक्का घर उनके लिए राहत की सांस लेकर आया। समय पर निर्माण पूरा होने के बाद आज उनका परिवार सुरक्षित, स्थायी और सम्मानजनक घर में रह रहा है। इसी तरह ग्राम बाधरकोना के श्री मणिभूषण मिंज बताते हैं कि पक्का मकान मिलने से उनका जीवन पूरी तरह बदल गया। बरसात में दीवारें गीली होने का डर, छत से पानी टपकना और सांप-बिच्छुओं से खतरा अब नहीं रहा। अब उनका परिवार नए घर में सुरक्षित और खुशहाल जीवन जी रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाली विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं। कड़ाके की ठंड और विषैले जीवों के खतरे के बीच कच्चे घरों में रहना बेहद कठिन था। पक्का आवास मिलने के बाद इन परिवारों ने पहली बार सुरक्षित और स्थायी जीवन का अनुभव किया है।

संपादकीय

वृद्धि की दर के ताजे आंकड़ों पर उठ रहे कुछ सवाल

देश की अर्थव्यवस्था को लेकर आने वाली सकारात्मक खबरें निश्चित तौर पर एक राहत का संदेश होती हैं। खासतौर पर जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुस्तरीय उथल-पुथल के बीच देश कई विपरीत स्थितियों का सामना कर रहा हो, आर्थिक विकास दर में सामान्य से अधिक बढ़ोतरी के आंकड़े बताते हैं कि अगर समाधानमूलक उपायों को लागू करने को लेकर संजीदगी बरती जाए, तो रास्ते निकाले जा सकते हैं।ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की वृद्धि दर जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 8.2 फीसद बढ़ी, जो पिछली छह तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। यह वृद्धि करीब सात फीसद के अनुमान से अधिक है।दरअसल, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, कारखाना उत्पादन में तेजी और सेवा क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन के बेहतर नतीजे सामने आए। सही है कि इस समय कृषि क्षेत्र सुस्ती के दौर से गुजर रहा है, लेकिन कारखाना उत्पादन और सेवा क्षेत्र में तेज प्रगति देखी गई, जिसने कृषि क्षेत्र में आई शिथिलता को बेअसर कर दिया।जाहिर है, जीडीपी वृद्धि दर के ताजा सरकारी आंकड़े को आर्थिक मोर्चे पर एक उपलब्धि के तौर पर देखा जा सकता है, लेकिन अगर इसका असर जमीनी स्तर पर भी स्पष्ट दिखे और जनता को उसका लाभ सीधे महसूस हो, तभी इसका कोई अर्थ है।निश्चित तौर पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई शुल्क नीति के दायरे में भारत भी है और इससे इसके निर्यात क्षेत्र पर खासा प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग जगहों पर युद्धों और अन्य अनिश्चितताओं के कारण भी बहुत सारे देशों की अर्थव्यवस्थाएं लगातार बचाव या जद्दोजहद की स्थिति से गुजर रही हैं। ऐसे में अगर भारत ने वृद्धि दर के मोर्चे पर अनुमान से अधिक हासिल किया है, तो यह अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत है।मगर सवाल यह है कि जिस महंगाई दर के आंकड़े के आधार भी वृद्धि दर के आंकड़े में शामिल माने जाते हैं, क्या उसमें वास्तव में इतनी कमी आई है? महंगाई दर के कम होने को लेकर सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के बरक्स यह छिपा नहीं है कि रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की कीमतों के मामले में आम लोगों के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं। अर्थव्यवस्था के वार्षिक मूल्यांकन में यहां के राष्ट्रीय खातों के आंकड़ों में गंभीर खामियां बताते हुए इन्हें 'सी' श्रेणी में रखने की बात कही है।

भारत की आर्थिक विकास दर ने पूरे विश्व को चौंकाया

जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आंकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती। वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.6 प्रतिशत रही थी। विशेष रूप से विनिर्माण एवं सेवा के क्षेत्र में वृद्धि दर अतुलनीय रही है। विनिर्माण के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर रही थी जो वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में बढ़कर 9.1 प्रतिशत की हो गई है।

(प्रह्लाद सबनानी)

इसी प्रकार, सेवा क्षेत्र में भी वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत की रही है। वित्तीय, रियल एस्टेट एवं प्रोफेशनल सेवाओं में तो वृद्धि दर बढ़कर 10.2 प्रतिशत (पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.2 प्रतिशत) एवं जन प्रशासन, डिफेंन्स एवं अन्य सेवाओं में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.9 प्रतिशत) की रही है। व्यापार, होटल, यातायात एवं कम्यूनिकेशन में भी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत (पिछले वर्ष 6.1 प्रतिशत)। केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं डिफेन्स के क्षेत्र में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कृषि क्षेत्र में जरूर वृद्धि पिछले वर्ष 4.1 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 3.5 प्रतिशत हो गई है एवं कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र में भी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.4 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 7.2 प्रतिशत रही है।

जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आंकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती। क्योंकि, वैश्विक स्तर पर इतनी विपरीत परिस्थितियों के बीच एवं विकसित देशों में विकास की धीमी दर एवं कुछ देशों में तो विकास दर के ऋणात्मक रहने के चलते (ओईसीडी देशों की आर्थिक विकास दर 2 प्रतिशत के भी नीचे है), भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के ऊपर कैसे रह सकती है। साथ ही, विभिन्न वित्तीय संस्थानों यथा, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, विश्व व्यापार संगठन के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान जताया था। फिर, भारत की आर्थिक विकास इस अवधि में 8.2 प्रतिशत कैसे रह सकती है?

हाल ही के समय में केंद्र सरकार ने भारत में आर्थिक क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। इन सुधार कार्यक्रमों का असर अब भारत की आर्थिक विकास दर में तेजी के रूप में दिखाई देने लगा है। आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है और इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में लागू किया जा चुका है। भारत में 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों को (लगभग 10 प्रतिशत तक) कम कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों (रेपो दर) में एक प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है एवं दिसम्बर 2025 माह में 25 आधार बिंदुओं की एक और कटौती की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भारत की मातृशक्ति के बैंक खातों, किसानों के बैंक खातों एवं गरीब वर्ग के बैंक खातों में सीधे ही सहायता की राशि जमा की जा रही है। साथ ही, भारत के लगभग 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त उपायों का स्पष्ट असर यह हो रहा है कि भारत के दूर दराज इलाकों में निवासरत गरीब वर्ग के हाथों में सीधे पैसा पहुंच रहा है, जिससे उनकी क्रय शक्ति बढ़ रही है एवं वे इस पैसे से कई प्रकार के उत्पादों का सेवन करने लगे हैं और जिससे अंततः देश में इन उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में निजी उपभोग भी वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही के 4.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 8 प्रतिशत से बढ़ा है। साथ ही केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों में भी 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, जिससे रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं एवं उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज हुई है।

उक्त कारणों के साथ ही, भारत में धार्मिक पर्यटन में भी भारी वृद्धि हुई है। अब, कई श्रद्धालु परिवार भारत के अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित मंदिर के दर्शन हेतु प्रति माह लाखों की संख्या में पहुंच रहे हैं। इसी प्रकार, वाराणसी स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर, उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर, जम्मू में माता वैष्णो देवी मंदिर, दक्षिण में भगवान तिरुपति बालाजी मंदिर, ओड़िसा के पुरी में स्थित मंदिर, उत्तराखंड स्थित गंगोत्री, यमुनोत्रि, केदारनाथ मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर आदि मंदिरों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने हेतु पहुंच रहे हैं। हाल ही में प्रयागराज में सम्पन्न हुए कुम्भ के मेले में तो 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु देश विदेश से पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने हेतु पहुंचे थे। इसी प्रकार, भारत की एक और विशेषता है कि यहां विभिन्न त्यौहारों को बड़े ही उत्साह से भाई-चारे के साथ मनाया जाता है। दीपावली का पावन पर्व एवं दीपावली के आसपास के समय में कई त्यौहार श्रद्धापूर्वक मनाए जाते हैं एवं इन त्यौहारों पर समाज में परिवारों द्वारा लाखों करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं। इस वर्ष एक आकलन के अनुसार दीपावली के पावन पर्व एवं दीपावली के समय के आसपास के समय में मनाए गए विभिन्न त्यौहारों पर 6 लाख करोड़ रुपए के विभिन्न उत्पादों की बिक्री भारत में हुई है। फिर, शादियों का मौसम भी प्रारम्भ होता है जिसमें करोड़ों की संख्या में विवाह समारोह सम्पन्न होते हैं, इन विवाह समारोहों में भी लाखों करोड़ रुपए का खर्च भारतीय समाज द्वारा किया जाता है। इन कारणों के चलते भी भारत में हाल ही के समय में उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। जिससे, अंततः इन उत्पादों का निर्माण भी भारत में होने लगा है तथा विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

दरअसल, विदेशी वित्तीय संस्थान भारत की संस्कृति से पूर्णत अनभिज्ञ हैं एवं पश्चिमी देशों की संस्कृति के अनुसार विकसित किए गए मॉडल से भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगा रहे हैं। इन मॉडल के अनुसार जहां, इन विभिन्न विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा 6 से 7 प्रतिशत के बीच की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाया जाता है वहीं भारत की आर्थिक विकास दर अब 8 प्रतिशत की दर को भी पार करती हुई दिखाई दे रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इन वित्तीय संस्थानों के आंकलन में इतना भारी अंतर सोच का विषय है। अब भारत के आर्थिक विकास के सम्बंध में अनुमानों को आंकने के लिए भारतीय मॉडल ही विकसित करने की आवश्यकता है। वरना, इसी प्रकार की गलतियां इन विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा की जाती रहेंगी एवं भारत में कुछ विघ्न संतोषी पत्रकार इसी प्रकार देश के आर्थिक विकास की दर पर अपनी शंका-कुशंकाओं को समाज के बीच में लाते रहेंगे और गलत विमर्श खड़ा करने का प्रयास करते रहेंगे।

हां, भारत में ऐसे कुछ क्षेत्र जरूर हैं जिनमे विकास दर को गति देने के प्रयास किए जाने चाहिए। जैसे, भारत में खदानों से उत्पादन में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, पिछले वर्ष भी इसी अवधि में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई थी। जब देश में विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा रही है तो फिर खदानों से उत्पादन क्यों नहीं बढ़ना चाहिए? इसका आशय कहीं यह तो नहीं कि हम कच्चे माल की जरूरतों को आयात के माध्यम से पूरा करने का प्रयास कर रहे हों। इस बीच भारत में आयात की मात्रा में भी भारी वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि दर कुछ धीमी रही है। उक्त अवधि (तिमाही) के दौरान, भारत में उत्पादों का आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जबकि भारत से उत्पादों का निर्यात 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है। इस प्रकार, कुल व्यापार घाटा बढ़कर 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। इस प्रकार, भारत में कच्चे माल के उपयोग में आत्म निर्भरता हासिल करना आवश्यक हो गया है। जिन वस्तुओं का उत्पादन भारत में ही आसानी से सम्भव है, उनका आयात बंद अथवा कम करना ही होगा। अन्यथा, की स्थिति में भारत को अपने व्यापार घाटे को संतुलित करना, अति मुश्किल कार्य हो जाने वाला है। सामाजिक स्तर पर भी इस समस्या का हल निकालना होगा। केवल देश में ही उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करना आज प्रत्येक परिवार का कर्तव्य बन जाना चाहिए। देश में बढ़ती मांग की आपूर्ति यदि देश में ही निर्मित वस्तुओं से होने लगेगी तो विदेशी संस्थाओं द्वारा भारत में अपने उत्पाद बेचकर कमाए जाने वाले लाभ को वे अपने देश में नहीं ले जा सकेंगे और इससे अंततः भारत के व्यापार घाटे को भी नियंत्रित किया जा सकेगा। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

उच्च शिक्षा में जवाबदेही की मांग जायज

(हरिवंश चतुर्वेदी)

कभी-कभी कोई साधारण घटना मील का पत्थर बनकर युगांतरकारी बदलावों को जन्म देती है। एक निजी विश्वविद्यालय की छात्रा को अपने नाम-परिवर्तन को विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड में दर्ज करवाने को लेकर जो तकलीफें झेलनी पड़ीं, उसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल दोषी विश्वविद्यालय पर सख्त कार्रवाई की, बल्कि देश के सभी 603 निजी विश्वविद्यालयों के अब तक के कामकाज और उनके वित्तीय प्रबंधन की जांच के आदेश भी दिए हैं। इससे जुड़े कई सवाल अहम हैं। क्या सुप्रीम कोर्ट की यह सख्ती हमारी उच्च शिक्षा को उसकी मौजूदा चिंताजनक स्थिति से उबार पाएगी? क्या यह सख्ती राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 द्वारा सुझाए गए नियमन मॉडल को कूड़ेदान में डाल देगी, जिसमें हल्के नियमन और चुस्त प्रबंधन को अपनाने का सुझाव दिया गया है? संसद के शीतकालीन सत्र में उच्च शिक्षा के सबसे महत्वपूर्ण विषय प्रभावशाली नियमन को लेकर भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) के गठन पर जिस बिल को पेश किया जाना है, क्या उस पर होने वाली बहस में मौजूदा नियामक संस्थाओं के क्रियाकलापों पर प्रश्नचिह्न लगाए जाएंगे? सुप्रीम कोर्ट की इस कार्रवाई से यह बहस भी उठेगी कि शिक्षा को व्यवसाय नहीं बनाया जा सकता। शिक्षण संस्थानों को हमारे संविधान ने 'नॉट फोर प्रॉफिट' (गैर-लाभकारी) गतिविधि बताया है, जिसे सिर्फ ट्रस्ट और सोसाइटी ऐक्ट के अंतर्गत ही स्थापित किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों से यह जानकारी भी मांगी है कि क्या निजी विश्वविद्यालय सिर्फ 'रीजनेबल सरप्लस' (जरूरत से थोड़ा सा ज्यादा) कमाती हैं और क्या ये रकम इनके व्यक्तिगत हितों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं? आजादी के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) 1956 में और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) 1987 में कानूनी तौर पर नियामक अंग बनाए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से जांच करके यह बताने को कहा है कि ये विश्वविद्यालय कब व कैसे अस्तित्व में आए और इनको क्या-क्या सुविधाएं सरकारों से मिलीं? इन विश्वविद्यालयों के संस्थापक सोसायटियों व ट्रस्टों की जांच भी की जाएगी और उनके सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी देखी जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में एक छात्रा अपनी समस्या लेकर गई थी, जो बहुत मामूली प्रकृति की थी। उसने चूंकि अपना नाम बदला था, इसलिए वह विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड में भी उसे बदलवाना चाहती थी। मगर उसकी इस मांग पर संबंधित विश्वविद्यालय ने करीब एक साल तक टालमटोल वाला रवैया अपनाए रखा। नतीजतन, वह न्याय मांगने अदालत की शरण में पहुंच गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उस विश्वविद्यालय से जवाब मांगा, साथ ही यूजीसी से भी पूछा कि उसने इन विश्वविद्यालयों को रेगूलेट करने के जो भी नियम और कानून बनाए हों, उनका क्या वास्तव में पालन हो रहा है? सुप्रीम कोर्ट के इस हालिया निर्णय में यूजीसी से तीन प्रमुख मुद्दों परपूछा गया है कि विद्यार्थियों के प्रवेश, शिक्षकों व कर्मचारियों की नियुक्ति व उच्च प्रबंधन में ये विश्वविद्यालय कितनी पारदर्शिता बरत रहे हैं? आमतौर पर सभी विश्वविद्यालय में कभी-कभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को शिकायतों का सामना करना पड़ता है। निजी ही नहीं, सरकारी विश्वविद्यालय भी इस बीमारी से अछूते नहीं हैं। यूं तो यूजीसी ने हर विश्वविद्यालय में शिकायत निवारण की प्रक्रिया लागू की है और वहां 'ओम्बुड्समैन' भी नियुक्त किया गया है, लेकिन असलियत में यही देखा गया है कि यह सारी व्यवस्था सिर्फ खानापूर्ति साबित होती है। क्या यह समस्या सिर्फ निजी विश्वविद्यालयों में है? क्या सरकारी विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को परेशानी नहीं झेलनी पड़ती? क्या हमारे विश्वविद्यालय नौकरशाही, लालफीताशाही, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और अकर्मण्यता से ग्रस्त नहीं हैं? निस्संदेह, यह समझना होगा कि सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्देश का उच्च शिक्षा पर क्या असर पड़ेगा? चूंकि कोर्ट ने केंद्र, राज्य सरकारों और यूजीसी के उच्च अधिकारियों को इसके अनुपालन का उत्तरदायी बनाया है, इसलिए किसी को भी इसे हल्केपन में नहीं लेना चाहिए। निजी विश्वविद्यालय को अधिक पारदर्शी और विद्यार्थी-उन्मुख बनना होगा। हालांकि, यह भी स्पष्ट है कि उच्च शिक्षा की वर्तमान स्वायत्तता पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई प्रश्नचिह्न नहीं लगाया है। (लेखक महानिदेशक, आईआईएलएमबी है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

(ललित गर्ग)

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे।

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्योरिटी एंड नैशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है। निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की

सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए। सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरुआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है। इस सत्र से सरकार 14 महत्त्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की, संवैधानिक मर्यादाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है। देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। सदन की मर्यादा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है। सभापति का सम्मान करना, नियमों का पालन करना, विषय पर रहने वाली बहस करना और असहमति में भी सभ्यता-शालीनता बनाए रखना-ये संसदीय चरित्र के मूल तत्व हैं। इनका पालन ही संसद की शुचिता को बनाए रख सकता है। यदि सरकार बहुमत के अहंकार में विपक्ष की उपेक्षा करती है तो यह गलत है; लेकिन यदि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका छोड़कर केवल अवरोध बन जाए तो यह भी लोकतंत्र के साथ अन्याय है। संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इस दृष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मर्यादा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो। यदि यह संभव हुआ तो यह केवल एक सत्र की सफलता नहीं होगी, बल्कि भारत के लोकतंत्र की विजय होगी। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नगरवासियों को गौरान्वित

केशकाल की बेटी मनप्रीत चौधरी ने एलएलएम में प्राप्त किया स्वर्ण पदक

केशकाल। केशकाल की बेटी मनप्रीत चौधरी ने एक बार फिर केशकाल समेत पूरे कोंडागांव जिले का नाम रौशन किया है। जी हां, मनप्रीत ने स्व. अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर में पढ़ाई करते हुए अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और लगन के परिणामस्वरूप मास्टर ऑफ लॉ (एलएलएम) में पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, डिप्टी सीएम अरुण साव, शिक्षामंत्री टंकराम वर्मा, विश्विद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव की मौजूदगी में

केशकाल की बेटी मनप्रीत चौधरी को स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बचपन से ही मेधावी छात्रा रही हैं मनप्रीत- गौरतलब है कि केशकाल निवासी व्यापारी ठाकुर राम चौधरी की सुपुत्री मनप्रीत चौधरी बचपन से ही मेधावी छात्रा रही हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा केशकाल के शिप्रा विद्यालय में हुई। 9वीं से 12वीं तक उन्होंने युगांतर पब्लिक स्कूल राजनांदगांव से शिक्षा प्राप्त किया। इसके बाद मनप्रीत ने वर्ष 2022 में हैदराबाद के इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट ऑफ इंडिया में पढ़ाई करते हुए 99.4त्न अंक के साथ एलएलबी की डिग्री हासिल की। वर्ष 2024 में एलएलएम की पढ़ाई के लिए मनप्रीत ने अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर में दाखिला लिया। जहां उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक अंक हासिल कर प्रथम स्थान के साथ साथ स्वर्ण पदक भी प्राप्त किया है।

परिजनों एवं शिक्षकों के प्रति जताया आभार- इस सम्बंध में मनप्रीत चौधरी ने बताया कि मैं अपने माता-पिता का हृदय से धन्यवाद करना चाहती हूँ। क्योंकि उन्होंने मुझे पढ़ाई के लिए बाहर भेजा, ताकि मैं अपने सपनों को पूरा कर सकूँ और इस मुकाम तक पहुँच सकूँ। उन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया, मेरी पढ़ाई, मेरे सपने और मेरी कठिन मेहनत, हर बात में उनका विश्वास मेरे लिए सबसे बड़ी शक्ति रहा है। आज जब मैं विधि स्नातकोत्तर में स्वर्ण पदक की उपाधि प्राप्त कर रही हूँ, तो यह केवल मेरी सफलता नहीं, बल्कि मेरे माता-पिता के त्याग, समर्थन और विश्वास की भी जीत है। साथ ही मैं अपने परिवार, अपने शिक्षकों तथा उन सभी लोगों की भी आभारी हूँ जिन्होंने समय-समय पर मेरा उत्साह बढ़ाया, मुझे प्रेरणा दी और मुझ पर विश्वास बनाए रखा। यह पूरा सफर मेरे लिए अत्यंत भावुक और बहुत ही विशेष रहा है।

कोंडागांव विधायक ने 60 लाख रुपए के अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात

कोण्डागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और स्थानीय विधायक लता उसेंडी ने जिले के माकड़ी विकासखण्ड अंतर्गत विभिन्न गांवों को 60 लाख रूपए के 08 निर्माण कार्यों की सौगात दी। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। विधायक उसेंडी ने सबसे पहले माकड़ी विकासखंड के ग्राम पंचायत रांधना धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण और समिति से धान खरीदी प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने किसानों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए सुचारू रूप से धान खरीदी के निर्देश दिए। इसके बाद विधायक ने ग्राम पंचायत बागबेड़ा के ग्राम खुड़ी में 05 लाख रूपए की लागत के सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत उलेरा के खासपारा रंगमंच

निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत कोकोड़ी में 09 लाख रूपए की लागत से माध्यमिक शाला स्कूल से तालाब तक 300 मीटर सीसी सड़क निर्माण कार्य और 05 लाख रूपए की लागत से ग्राम कोकड़ी भर्रापारा फूलकाचर में शिवमन्दिर के सामने शेड निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत गुहाबोरण्ड में 12 लाख रूपए की लागत से रावण भाटा से तालाब तक 600 मीटर नाली निर्माण कार्य और 09 लाख रुपए की लागत से गुहाबोरण्ड मनजीत शोरी घर से अस्तु घर तक 300 मीटर सी सी सड़क निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत पूसपाल में 09 लाख रूपए की लागत से पुसपाल मुख्य मार्ग से मानिक घर तक 300 मीटर सीसी सड़क निर्माण कार्य और ग्राम पंचायत सोनाबेड़ा में 09 लाख रूपए की लागत से डिंडापारा में धोज कुमार पांडे घर से ब्रम्ह दास वैध घर तक 300 मीटर सी.सी. सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

बीजापुर में 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' मेगा शिविर सफल

बीजापुर। जिले में वर्षों से निष्क्रिय पड़े बैंक खातों के वास्तविक हकदारों को उनकी जमा पूंजी लौटाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान को उल्लेखनीय सफलता मिली है। अभियान के तहत अब तक 1.65 करोड़ रुपये से अधिक की राशि पात्र नागरिकों को वापस की जा चुकी है। यह विशेष अभियान अक्टूबर से प्रारंभ होकर 31 दिसंबर 2025 तक जिले के सभी विकासखण्डों में आयोजित मेगा शिविरों के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। जिला कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यशाला में बताया गया कि यह पहल डीईएएफ (Depositor Education and Awareness Fund) योजना के अंतर्गत संचालित है, जिसका उद्देश्य पिछले दस वर्षों से निष्क्रिय पड़े खातों का पारदर्शी, त्वरित और सरल निपटान करना है। कलेक्टर संबित मिश्रा के मार्गदर्शन एवं जिला प्रशासन की सक्रिय भूमिका के चलते अब तक 7.27 करोड़ रुपये से अधिक राशि वाले निष्क्रिय खातों की पहचान की जा चुकी है। बैंककार समीक्षा में भारतीय स्टेट बैंक में सर्वाधिक निष्क्रिय खाते पाए गए। शिविरों में 35 से अधिक नागरिकों के दस्तावेजों का सत्यापन कर मौके पर ही उनके दावे निराकृत किए गए। कार्यक्रम में कलेक्टर मिश्रा ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे आमजन के आर्थिक अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

प्राथमिक शाला बंडीपारा पोटाली के उद्घाटन समारोह में न्यौता भोज का आयोजन

किरंदुल। प्राथमिक शाला बंडीपारा पोटाली मे नया भवन बनाया गया।उक्त स्कूल भवन का उद्घाटन समारोह में गुरुवार न्यौता भोज का भी आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में ग्राम के पुजारियों के द्वारा ग्राम के देवी देवताओं की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई और पूजा अर्चना करने के उपरांत सभी आए मुख्य अतिथि एवं ग्राम के अतिथियों का न्यौता भोज का आयोजन किया गया।इस आयोजन में सभी अतिथि बच्चों के साथ में बैठकर विभिन्न प्रकार के पकवान खाये एवं आनंद लिया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी, जनपद सदस्य हीरालाल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, प्रमोद भदोरिया, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज राठौर, एमडीएम नोडल आर के मोहंती, संकुल समन्वयक पीतेश्वर ठाकुर एवं ग्रामीण और बच्चे शामिल हुए।

मासिक क्राइम मीटिंग के बाद कोण्डागांव पुलिस में बड़ा फेरबदल

कोण्डागांव। मासिक क्राइम मीटिंग के बाद कोण्डागांव जिला पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने व्यापक प्रशासनिक फे रबदल करते हुए 19 पुलिस विवेचकों के ट्रांसफर का आदेश जारी किया है। जारी सूची के अनुसार, जिले में 4 थाना प्रभारी और 1 चौकी प्रभारी बदले गए हैं। सूची अनुसार 5 निरीक्षक, 10 उप निरीक्षक और 4 सहायक उप निरीक्षकों का स्थानांतरण कर नई पदस्थापना दी गई है।

ताड़पाला घाटी में करेंगुटटा हिल्स के ऊपर दूसरा सुरक्षा कैम्प स्थापित

बीजापुर। थाना उसूर क्षेत्रान्तर्गत करेंगुट्टा पहाड़ स्थित ताड़पाला घाटी में नवीन सुरक्षा एवं जन-सुविधा कैम्प की स्थापना सफलतापूर्वक की गई। जिले में माओवादियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु 01 नवंबर से संचालित अभियान के अंतर्गत डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा 205, कोबरा 210 एवं केरिपु 196 की संयुक्त टीमों द्वारा 04/11/2025 को करेंगुटटा हिल्स पर ताड़पाला बेस कैम्प स्थापना के बाद यह दूसरा रणनीतिक कैम्प स्थापित किया गया है।

प्राकृतिक चुनौतियों के बीच साहसिक कार्य - दुर्गम पहाड़ी भू-भाग, सड़क मार्ग का अभाव, कठिन चढ़ाई, लगातार ढृश्वष्ठ व एम्बुश के खतरे तथा क्षेत्र में पानी की कमी जैसी अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस, धैर्य और उत्कृष्ट कार्य क्षमता का परिचय दिया। इस कैम्प की स्थापना से क्षेत्र में संचालित होने वाले माओवादी विरोधी अभियानों को गति मिलेगी तथा रणनीतिक बढ़त सुनिश्चित होगी। क्षेत्र की भौगोलिक स्थितियों को देखते हुए इस कैम्प को आगे चलकर जंगल वारफेयर, फील्ड क्राफ्ट, टैक्टिक्स एवं अन्य उन्नत प्रशिक्षणों के लिए विशेषीकृत प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

अंतर्राज्यीय समन्वय एवं अभियान की मजबूती - ताड़पाला से छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमावर्ती क्षेत्रों में माओवादियों के विरुद्ध संयुक्त व समन्वित अभियान और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किए जाएंगे। कैंप की स्थापना के दौरान निरंतर हेलीकॉप्टर सपोर्ट उपलब्ध रहा तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कैंप स्थल पर पहुंचकर समय-समय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

नक्सल उन्मूलन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ - वर्ष 2024 से अब तक बीजापुर जिले में 23 नये सुरक्षा कैम्प स्थापित किए गए हैं। इन सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप -790 माओवादी आत्मसमर्पण, 219 माओवादी मारे गए, 1049 माओवादी गिरफ्तार किये गए हैं । साथ ही बस्तर संभाग में 210 माओवादियों ने हथियारों सहित आत्मसमर्पण किया है, जो नक्सल उन्मूलन अभियान की बड़ी रणनीतिक सफलता है।

प्रशासनिक नेतृत्व एवं बहु-आयामी सहयोग - बीजापुर जिले के सुदूर व संवेदनशील क्षेत्रों में ''नियद नेल्ला नार'' योजना के अंतर्गत विकास एवं नक्सल उन्मूलन कार्यों को गति प्रदान करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केन्द्रीय विद्यालय किरंदुल द्वारा वार्षिक खेल दिवस का किया गया आयोजन

किरंदुल। किरन्दुल स्थित स्थानीय फुटबॉल ग्राउंड में केंद्रीय विद्यालय का 44 वां वार्षिक खेल दिवस शुक्रवार मुख्य अतिथि एनएमडीसी किरन्दुल परियोजना अधिशासी निदेशक रविंद्र नारायण ने केन्द्रीय विद्यालय का ध्वजारोहण कर शुभारंभ किया।खेल दिवस में विभिन्न खेलों का आयोजन हुआ।जिसमें 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में राघव पटेल प्रथम, कोटा अखिल द्वितीय,रेहान टोप्पो ने तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं बालिका वर्ग में पूर्वी ठाकुर प्रथम,शिवानी नाग द्वितीय,सी रक्षिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया साथ ही।इस दौरान केवीएस की छात्रा हाशमी साहू दिनेश शर्मा शुभंकर सिंह रूद्रेश कुमार विश्वास सफल प्रसाद शर्मा अरुण वर्मा जायल सैमुअल

बिनु अभिनव तिवारी को नेशनल खेलने पर अधिशासी निदेशक द्वारा मेडल प्रदान किया गया।मौके पर मानव संसाधन शैलेंद्र सोनी केंद्रीय विद्यालय प्राचार्य बलजिंदर सिंह बीआईओपी स्कूल प्राचार्य सुनील कुमार दुबे डॉ शालिनी श्रीवास्तव डॉ नीरज साहू,एवम अन्य उपस्थित थे।

एक दिवसीय प्रशिक्षण दो सत्रों में आयोजित

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ में एक दिवसीय प्रशिक्षण दो सत्रों में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण स्वास्थ्य विभाग, यूनिसेफ एवं एकम फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर के चतुर्वेदी, डॉ भावना महलवार जिला कार्यक्रम प्रबन्धक तथा डॉ. गजेन्द्र सिंह (यूनिसेफ स्वास्थ्य विशेषज्ञ) के मार्गदर्शन और सहयोग से प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण के दौरान टाइप 1 डायबिटीज़ जो कि छत्तीसगढ़ में उभरती हुई एक गैर-संचारी रोग है, जिस पर एक विस्तृत सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में 170 सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों एवं अन्य स्टाफ को लक्षण पहचानना, परामर्श तकनीक, सामुदायिक जागरूकता, नैदानिक प्रबंधन, पेशेंट सपोर्ट ग्रुप (च्ंजपमदज ैनचचवतज ळतवनच), राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की भूमिका तथा रोगियों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं द्वारा झेली जाने वाली चुनौतियों के विषय में जानकारी और प्रशिक्षण दिया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडागांव के द्वारा एनएसएस कैम्प के माध्यम से छात्र-छात्राओं तक पहुंचाई गई विधिक की जानकारी

कोण्डागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी' के निर्देशानुसार 'सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडागांव गायत्री साय' के द्वारा एन. एस. एस. कैंप शासकीय हाई स्कूल चिपावण्ड में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न विधिक अधिकारों, सरकारी योजनाओं तथा न्यायिक प्रक्रियाओं के बारे में जागरूक करना था. जिससे वे अपने अधिकारों का संरक्षण कर सकें और विधिक सहायता प्राप्त करने के तरीकों को समझ सकें। सचिव ने उक्त कार्यक्रम में एन.एस.एस. कैम्प के विभिन्न पहलुओं को बताते हुए

संवैधानिक मूल अधिकार, महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े कानून, नशा मुक्ति अभियान, दिव्यागजनों के लिए कानूनी सेवाएं योजना, साइबर अपराध से बचाव एवं कानूनी उपाय, मुफ्त विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, लोक अदालत एवं मध्यस्थता के माध्यम से त्वरित न्याय के बारे में छात्रों को जागरूक करते हुए कहा कि कानूनी जानकारी व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और कठिन परिस्थितियों में अपने अधिकरी का सही तरीके से उपयोग करने में सहायक होती है। इस बीच छात्र-छात्राओं को एड्स से संबंधित कानूनी अधिकारों, स्वास्थय सुरक्षा तथा जागरुकता से जुड़े प्रावधानों के बारे में जानकारी दी गई। वहीं कैम्प में स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं ने शिविर के आयोजन व जागरूकता कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग किया। शिविर में छात्रों ने अनेक प्रश्न पूछे जिनका समाधान सरल और स्पष्ट रूप में किया गया। शिविर के माध्यम से विद्यालय के छात्रों को यह समझने में मदद मिली कि किस प्रकार वे अपने अधिकारों का पालन कर सकते हैं।

जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी ने मदाड़ी आश्रम शाला का किया औचक निरीक्षण

किरंदुल। ग्राम पंचायत मदाड़ी की आश्रम शाला का कुआकोंडा जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी ने शुक्रवार औचक निरीक्षण किया और बच्चों के बीच समय बिताया।जनपद अध्यक्ष ने बच्चों से पढ़ाई-लिखाई से जुड़े सवाल पूछे।बच्चों ने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब देकर सबका दिल जीत लिया।साथ ही बच्चों की सेहत से कोई समझौता न हो,इसके लिए रसोई और भोजन की गुणवत्ता की बारीकी से जाँच की गई।इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं को मुड़ामी द्वारा स्कूली बैग वितरित किए।नए बैग पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर आश्रम अधीक्षक सरोज माँझी और समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।जनपद अध्यक्ष ने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कलेक्टर ने विश्रामपुरी में छात्रावासों और विद्यालयों का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने बड़ेराजपुर विकासखंड अंतर्गत विश्रामपुरी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और विभिन्न छात्रावासों का गहन निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। विश्रामपुरी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्होंने विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी और समय पर चिकित्सकों की उपस्थिति एवं एंबुलेंस की व्यवस्था के संबंध में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही विश्रामपुरी में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, प्री पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास और 100 सीटर कन्या छात्रावास का भी निरीक्षण किया और विद्यार्थियों के लिए कम्प्यूटर रुम, स्टडी रूम और डाइनिंग रूम और खेलकूद सामग्री

की व्यवस्था, स्वास्थ्य जांच के साथ साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने ग्राम कोरेगांव में स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया और उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने उच्च गंभीर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की सतत निगरानी को लेकर आवश्यक निर्देश दिए और स्वास्थ्य केंद्र के नए भवन हेतु प्रस्ताव तैयार करने को संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

ग्राम टेवसा में शासकीय उद्यान रोपणी का किया निरीक्षण - कलेक्टर ने ग्राम टेवसा में शासकीय उद्यान रोपणी का भी निरीक्षण किया और वहां रोपे गए पौधों का अवलोकन किया। उन्होंने उद्यानिकी अधिकारियों को अमरूद और पपीता के पौधे लगाने के निर्देश दिए। इस अवसर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एसडीएम केशकाल आकांक्षा नायक, सीएमएचओ डॉ. आर के चतुर्वेदी, जनपद पंचायत सीईओ लखेश्वर यादव, तहसीलदार फनेश्वर सोम सहित अन्य विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस अधिकारियों की ली गई क्राइम मीटिंग

कोण्डागांव। जिला कोण्डागांव में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराध नियंत्रण के लिए आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में वर्ष के अंतिम माह में विशेष क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा(भापुसे) की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल एवं राजपत्रित अधिकारी तथा सभी थाना-चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा वर्ष के अंतिम माह को ध्यान में रखते हुए आयोजित क्राइम मीटिंग में लंबित अपराधों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों से संबंधित मामलों, गुमशुदगी, विजुअल पुलिसिंग, चेकिंग अभियान में तेजी, कम्युनिटी पुलिसिंग, अपराध नियत्रण के साथ साथ अपराधों के निकाल करने पर विशेष ध्यान देते हुए मर्ग प्रकरणों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। अन्य राज्यों में फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमें गठित करने और शिकायत प्रक्रिया को सरल बनाने के आदेश दिए गए साथ ही थानों में आने वाले फरयादियों के साथ अच्छे से व्यवहार करने की भी हिदायत दी । यातायात प्रबंधन के लिए यातायात मार्गों के ब्लैक स्पाट को चिन्हीत कर उसमें संकेतक लगाने , ब्लिंकर्स लगाने हेतु निर्देशित किया ताकि दुर्घटना से बचा जा सके।

छत्तीसगढ़ के पीएमश्री स्कूलो के शिक्षकों का आईआईटी जम्मू में साइंस एंड टेक्नोलॉजी आधारित प्रशिक्षण हुआ संपन्न

अभनपुर। छत्तीसगढ़ के अनेकों पीएमश्री स्कूल अंतर्गत अध्यापन कार्य का रहे विज्ञान एवं गणित शिक्षकों का क्षमता विकास हेतु एवं आधुनिक टेक्नोलॉजी में पारंगत बनाने के उद्देश्य से एससीईआरटी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार पीएमश्री राज्य प्रभारी आशीष गौतम के साथ छत्तीसगढ़ के 151 विज्ञान शिक्षकों ने आईआईटी जम्मू में प्रशिक्षण प्राप्त किया ज्ञात हो कि भारत सरकार द्वारा संचालित पीएमश्री स्कूल जिसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (ह्श्वक्क2020) को प्रभावी रूप से लागू करना और देशभर में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है।पीएम श्री स्कूल, अन्य स्कूलों के लिए रोल मॉडल होंगे ताकि शिक्षा में समानता और गुणवत्ता लाई जा सके जहाँ डिजिटल लर्निंग, स्मार्ट क्लास, लैब्स, ग्रीन स्कूल, खेल और कौशल शिक्षा जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराया जा रहा है समग्र शिक्षा अर्थात् बच्चों का ज्ञान, कौशल, चरित्र और मूल्य आधारित विकास करना केवल परीक्षा आधारित शिक्षा से हटकर प्रयोगात्मक और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देना विद्यार्थियों को समान अवसर ग्रामीण और शहरी सभी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना। गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को भी बेहतर स्कूलिंग वातावरण देना। जिसके लिए पीएम श्री स्कूल में सेवायें प्रदान कर रहे शिक्षकों को भी नई शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षित करना आवश्यक है इसी उद्देश्य से रायपुर जिले से 12 पीएम श्री स्कूल्स के शिक्षकों सहित राज्यभर से 151 शिक्षकों का प्रशिक्षण आईआईटी जम्मू कश्मीर में आयोजित हुई। है जिसमे शिक्षकों को साइंस एंड टेक्नोलॉजी ,स्मार्ट लैब;थ्रीडी प्रिंटर ,गूगल क्लासरूम ,सायबर सिक्योरिटी ,सायकोलाजिकल इंपैक्ट , ड्रोन टेक्नोलॉजी ,ऑनलाइन प्लेटफार्म आधारित बेहतर कक्षा संचालन के तरीके सिखायें गए एवं आईआईटी लैब का अवलोकन करवाया गया इस हेतु पीएमश्री स्कूल अभनपुर ,खोरपा माना कैम्प,नेवरा,बिरगांव,अरुंदती आरंग,चंदखुरी ,सारागाँव,कुरा,आरडी तिवारी रायपुर के शिक्षकों का चयन हुआ है जिसमे शिक्षक हेमन्त कुमार साहू , कल्पना दास ,प्रकाशचंद साहू,अजीत रजक,गोमेन्द्र ठाकुर ,प्रतीक यादव ,भूमिका कश्यप,नंदिनी बिसेंन,चंद्रकांत,पिंकी यादव ,वाय वी लता इसके साथ छत्तीसगढ़ के चयनित पीएमश्री विद्यालयों से 151 शिक्षक भी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जम्मू में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में सहभागिता प्रदान किए एवं सभी प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया इस आयोजन में आशीष गौतम पीएमश्री राज्य प्रभारी ,सुब्बा नायडू, दिनेश, संदीप, मुस्कान, लोकनाथ, अमित, शीतल स्वेता एवं अन्य शिक्षकों की भागीदारी रही ।

संकुल परसदा में हुवा प्राचार्य का भव्य स्वागत

अभनपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला परसदा विद्या मंदिर में नवपदस्थ प्राचार्य सुश्री कल्पना तिवारी जी का संकुल समन्वयक बुद्धेश्वर बघेल के नेतृत्व में संकुल परिवार की ओर से भव्य स्वागत किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला परसदा विद्या मंदिर के प्राचार्य कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में संकुल की ओर से गुलदस्ता,श्रीफल व कलम भेंटकर व तिलकवन्दन कर प्राचार्य कल्पना तिवारी जी सम्मान किया गया। वर्ष1998 से आप इसी विद्यालय में व्याख्याता (शिक्षाकर्मी वर्ग 1) के रूप पदस्थ हुए विगत 6 वर्षों से प्रभारी प्राचार्य का दायित्व आप संभाल रहे थे और उसी विद्यालय में प्राचार्य के रूप में पदोन्नत होना बड़े ही महत्व व गौरवपूर्ण बात है। इस अवसर पर संकुल समन्वयक बुद्धेश्वर बघेल द्वारा सभी को संबोधित किया गया तथा विद्यालय में शिक्षक विद्यार्थी उपस्थिति स्वच्छ के मापदंडों अनुसार आवश्यक स्तर सुधार स्वच्छता तम्बाकू मुक्त परिसर पर प्रकाश डाला गया प्राचार्य कल्पना तिवारी ने स्वागत समारोह आयोजन के लिए संकुल परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया व अपने कार्यकाल के बचे शेष 2 वर्षों में सभी के साथ मिलकर संकुल को नई ऊंचाइयों में ले जाने अनुशासित व कर्तव्यपरायणता का संदेश दिया व सभी का मुँह मीठा कराया गया। इस अवसर पर दिनेश कुमार कुर्रे उमेश कुमार साहू ललित मेश्राम ओमप्रकाश बघेल हरीश ठाकुर तृप्ति पंडा फक्रेश्वर राम साहू रिखिलाल साहू रीता तिवारी वीरेंद्र कुमार वर्मा देवचरण साहू कंचन साहू गायत्री बघेल नीति पाण्डेय पंकजा ठाकुर फातिमा बेगम नूतन तोमर मनोज कुमार भक्त कल्पना निषाद सहित संकुल के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

प्राचार्य पदोंनति मे पूर्ण पारदर्शिता संघ ने जताया आभार

आरंग। छत्तीसगढ़ में शिक्षाकर्मी से लेकर प्राचार्य पद तक पहुँचने में लंबी लडाई लड़नी पड़ी संघ के सैद्धांतिक आंदोलन तथा सरकार की सकारात्मक सोच के चलते शिक्षकों ने आज शून्य से शिखर तक पहुंचने में सफलता हासिल की हैं राज्य सरकार की संवेदनशीलता व पारदर्शिता पूर्ण नीति के कारण एक लंबी प्रतीक्षा के बाद 18- 20 वर्षों से एक ही पद पर कार्यरत मिडिल प्रधान पाठक, व्याख्याता स्क्क, तथा व्याख्यातागणों को काउंसलिंग द्वारा वांछित जगहों पर पदांकन दिया गया है शिक्षक कल्याण संघ प्रवक्ता पं छत्रधर दीवान अध्यक्ष हरीश दीवान अध्यक्ष द्वय राजकुमार दीपक छोटूराम साहू विरेंद्र टंडन देव गायकवाड़ तुलाराम पाल पवन चंद्राकर संतोष साहू सुनील चंद्राकर अरुण कुमार धीवर टी के कोटरे नेमेश्वर साहू टीकाराम साहू युवराम साहू धनंजय साहू आर एस कुंजे ने पदोन्नत प्राचार्यों को बधाई देते हुए संघ की ओर से प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है है साथ ही संघ ने पुरानी पेंशन, मिडिल प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नति, लंबित डी ए का भुगतान सभी शिक्षक संवर्ग को टेट परीक्षा से मुक्ति प्रदान करने व कैशलैस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने की मांग की है।

कोई किसान आत्मघाती कदम न उठाएं

आंदोलन एक रास्ता है- तेजराम विद्रोही

राजिम। टोकन नहीं कटने से परेशान छत्तीसगढ़ के एक किसान ने ब्लेड से अपना गला काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया जो बहुत ही गंभीर विषय है और किसान हितैषी होने का दावा करने वाली राज्य की भाजपा सरकार के चेहरा को बेनक़ाब किया है, क्योंकि इस साल किसानों को अपनी खेती करने के लिए खासे परेशानियों का सामना करना पड़ा है. बोनी के समय बीज व खाद की समस्या, फिर बीमारी और बेमौसम बारिश और अब ज़ब फसल तैयार हुआ है तो बेचने के लिए एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन और टोकन की समस्या. रोज प्रदेश के अलग अलग हिस्सों से किसानों की समस्याएं सामने आ रही है लेकिन राज्य सरकार उनके प्रशासन और जन प्रतिनिधि कोई ठोस उपाय निकाल पाने में असमर्थ है. व्यवस्थागत कमियों का शिकार अन्नदाता किसान हो रहे हैं.

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही ने किसानों से निवेदन किया है कि कोई भी किसान किसी भी स्थिति में आत्मघाती कदम न उठावें बल्कि किसानों का आंदोलन एक रास्ता है. उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से राज्य सरकार से आग्रह किया है कि टोकन व्यवस्था को सरल बनावें और प्रतिदिन धान खरीदी सीमा को बढ़ाया जाए।

उल्लास नवभारत महापरिक्षा के सफल आयोजन हेतु निकाली गई रैली

सूरजपुर। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के माध्यमिक विभाग के छात्रों के द्वारा नगर में रैली निकालकर लोगों को शिक्षा के मुख्यधारा से जोड़ने हेतु उल्लास नवभारत महापरिक्षा के सफल आयोजन हेतु प्रचार प्रसार किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक बिहारी लाल साहू के द्वारा किया गया। बीपीओ रविनाथ तिवारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह आकलन परीक्षा 7 दिसंबर को सुबह 10 बजे से 5 बजे तक रामानुजनगर विकासखंड के 75 गाँव में आयोजित होना है। जिसमें 4558 अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे। पूर्व में सर्वे कर पंद्रह वर्ष से अधिक उम्र के निरक्षरों को चिनांकित कर पठन पाठन कार्य व प्रेरित करने हेतु स्वयंसेवकों के माध्यम से उन्हें शिक्षा के मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया गया जिसका आकलन परीक्षा कल सुबह दस बजे से पांच बजे तक होना है।रैली के आयोजन में जनपद सदस्य गुलाब सिंह, मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, राजलाल राजवाड़े, सुखसाय बैगा, राजेश साहू, सौभाग्य दुबे सहित कई जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जनप्रतिनिधियों ने अपील किया कि क्षेत्र के असाक्षर व नवसाक्षरों को इस महापरिक्षा में हिस्सा लें। रैली का सफल आयोजन शिक्षक बिहारीलाल साहू, प्रकाश कुमार, वर्षा सिंह, योगेश साहू, पुष्पेन्द्र ठाकुर ने मिलकर आवश्यक सहयोग कर रैली को सफल बनाया।

प्राथमिक शाला उरांवपारा मदनेश्वरपुर बच्चों ने निकाला साक्षरता रैली उल्लास भारत के अंतर्गत महापरीक्षा में भाग लेने के लिए

सूरजपुर। जिला कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन और जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा, जिला मिशन समन्वयक मनोज साहू के निर्देशन में कल रविवार को होने वाले उल्लास भारत के अंतर्गत होने वाले महापरीक्षा में भाग लेने के लिए प्राथमिक शाला उरांवपारा मदनेश्वरपुर के बच्चों ने गांव में रैली निकालकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया साथ ही लोगों से आह्वान किया कि वे रविवार को होने वाले महापरीक्षा में भाग लेकर साक्षर बने और देश में साक्षर होने की भूमिका निभाए। बच्चों ने बैनर पोस्टर बनाकर और नारे के साथ लोगो को आह्वान किया। प्रधानपाठक संजय साहू के नेतृत्व ने प्राथमिक शाला और माध्यमिक शाला के बच्चों ने साथ में रैली निकाला, लोगो के घर घर जाकर संपर्क किया और उन्हें समझाए रविवार को होने वाले महापरीक्षा में भाग लेवे। साक्षर होकर ही देश की प्रगति में भाग ले सकते हैं और देश के उन्नति में सहभागी हो सकते हैं। देश में उन्नत खेती के लिए भी आज पढ़ा लिखा होना बहुत जरूरत है, देश के किसान रीढ़ के हड्डी होते हैं ऐसे में साक्षर होकर देश को मजबूत बनाए और आगे बढ़ाएं। आज के इस रैली के कार्यक्रम में प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक संजय साहू, रामकृपाल साहू, अनिमा बेक, शोभा रानी किस्पोट्टा माध्यमिक शाला से राजेश्वर साहू,छोटेलाल बर्मन, सोनवानी और रेखा गुप्ता रैली से सहभागी बने ।

डाक्टर अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर बच्चों ने किया सर्व धर्म प्रार्थना

महापुरूषों की जीवनी से मिलती है प्रेरणा

आरंग। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में बच्चों ने संविधान निर्माता डाक्टर भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।साथ ही सर्वधर्म प्रार्थना कर उनकी जीवनी के बारे में जाना।इस मौके पर शाला के वरिष्ठ शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल व शिक्षिका संगीता पाटले ने डाक्टर भीमराव अम्बेडकर की जीवनी के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा डाक्टर भीमराव अम्बेडकर का संपूर्ण जीवन संघर्षो से भरा रहा। संविधान निर्माण में उनकी भूमिका के लिए संपूर्ण देश सदैव उनके ऋणी रहेंगे। उनके असाधारण व्यक्तिव सभी के लिए प्रेरणादायक है। महापुरुषों की जीवनी से सदैव हमें कुछ न कुछ सीख जरूर मिलती है।इस अवसर पर संस्था प्रमुख के के परमाल, शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल, सूर्यकांत चन्द्राकार, डीलेश्वर साहू, शिक्षिका संगीता पाटले सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने डाक्टर अंबेडकर को स्मरण किया।

नवापारा क्षेत्र मे अवैध रेत भंडारण व रेत घाट से रेत की अवैध निकासी लगातार जारी

रात होते ही सड़को मे रेत से लदे वाहन रायपुर कि ओर बेखौफ़ ले जाते है जिम्मेदार अधिकारियो की उदासीनता...

नवापारा। क्षेत्र मे रेत घाट से रेत की अवैध निकासी और भंडारण लगातार जारी है जो रेत निकासी करने वाले रात को ही क्षेत्र के रेत घाट हनुमान पेपर मिल के पीछे पारागांव से रात होते ही दर्जनों हाइवा लगे रहते है जो अवैध रेत निकासी व भंडारण कर सरकार को मिलने वाली रायल्टी बतौर राशि को बंदरबाट कर सरकारी खजाने को चुना लगाने मे कोई कसर नहीं छोड़ा है। आपको बता दे कि रेत का अवैध भंडारण लखना, कोलियारी,नवागांव व क्षेत्र मे जिम्मेदार अधिकारियो द्वारा कार्यवाही नहीं किये जाने से बेखौफ़ मुख्य सड़क के समीप दर्जनों हाइवा रेत का भंडारण किया गया है...

नुक्कड़ नाटक रैली,भाषण, रंगोली, पोस्टर एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता व विद्यालयों में कैंपेनिंग कर 12वी के छात्रों को एचआईवी एड्स संबंधित जानकारी दी

एड्स जागरूकता अभियान में विविध आयोजन

नवापारा राजिम। एड्स नियंत्रण शाखा रायपुर के निर्देशानुसार सेठ फूलचंद अग्रवाल स्मृति महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में विगत दिनों तीन चरणों में एच.आई.वी. संक्रमण से बचाव व रोकथाम विषय के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक रैली,भाषण, रंगोली, पोस्टर एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता व विद्यालयों में कैंपेनिंग कर 12वी के छात्रों को एचआईवी एड्स संबंधित जानकारी दी गई। इस आयोजन में महाविद्यालयों के लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने बढ़ङ्कचढ़कर भाग लिया। प्राचार्य डॉ.शोभा गावरी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रेड रिबन क्लब द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएँ निश्चित ही जनङ्कजागरुकता के लिए महत्वपूर्ण और सार्थक पहल है। वर्तमान में एचआईवी एड्स को लेकर युवाओं को जागरूक करना अति आवश्यक है क्योंकि युवा ही भविष्य में पारिवारिक और सामाजिक माहौल से जुड़ेंगे। उपप्राचार्य डॉ.मनोज मिश्रा ने कहा कि एड्स नियंत्रण शाखा रायपुर का यह अभियान बहुआयामी होने के साथ- साथ एचआईवी एड्स नियंत्रण हेतु महत्वपूर्ण संदेश भी होगा। साथ ही आयोजन का उद्देश्य दुनिया भर के एच.आई.वी.एड्स से संक्रमित या प्रभावित लोगों के साथ एकता से खड़े रहने तथा उक्त बीमारी के कारण जान गवाने वाले लोगों को याद करने का भी दिवस होगा। कार्यक्रम संयोजक डॉ.आर.के. रजक ने बताया कि एच.आई.वी.एड्स न केवल संक्रमण वाली बल्कि एक जानलेवा बीमारी भी है। प्रतिवर्ष इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसे केवल जन जागरूकता से ही रोका जा सकता है। अभी तक चिकित्सा जगत में इसका कोई कारगर उपचार नही खोजा गया है अतः जागरूकता एवं सतर्कता ही उपाय है। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन में महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब के डॉ.आर. श्रीवास डॉ.डी.पी.निर्मलकर, डॉ.श्यामा शांडिल्य, डॉ.राजेश्वरी चन्द्राकार, प्रो.लेखराम साहू, डॉ.प्रेरणा सोनी, डॉ.दुर्गेशनंदिनी साहू, प्रो.महेंद्रनाथ द्विवेदी एवं प्रो.लोमश साहू की अहम भूमिका रही। समस्त कार्यक्रम का संयोजन डॉ.आर.के.रजक नेतृत्व में हुआ।

पैरालिसिस पीड़ित पक्षकार की उपस्थिति सुनिश्चित करने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने पेश की मानवता की मिसाल

सूरजपुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर की अध्यक्ष श्रीमती विनीता वार्नर के सक्रिय मार्गदर्शन में प्राधिकरण ने एक बार फिर मानवता और संवेदनशीलता की उत्कृष्ट मिसाल पेश की है। पैरालिसिस से पीड़ित एक पक्षकार की न्यायालयीन उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु प्राधिकरण ने विशेष परिवहन और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई। मामला माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय में लंबित था, जिसमें पक्षकार की उपस्थिति अनिवार्य थी। लेकिन शारीरिक असमर्थता के कारण वह स्वयं न्यायालय पहुँचने में सक्षम नहीं थे। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए अध्यक्ष श्रीमती विनीता वार्नर ने तत्काल इस कार्य की जिम्मेदारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल टोपनो को सौंपी। सचिव पायल टोपनो ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला चिकित्सालय सूरजपुर से समन्वय स्थापित किया और पक्षकार के सुरक्षित आवागमन हेतु एम्बुलेंस की व्यवस्था कराई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला चिकित्सालय के संयुक्त प्रयास से पक्षकार को ग्राम शिवसागरपुर पतरापारा, चौकी लटोरी से जिला न्यायालय सूरजपुर लाया गया।

शरीर में हार्मोन संतुलित करने के लिए रोज सुबह जरूर पिएं ये ड्रिंक, दूर होंगी कई समस्याएं

स्वस्थ रहने के लिए शरीर में हार्मोन्स का बैलेंस रहना भी बेहद जरूरी होता है। अगर आपके हार्मोन्स असंतुलित हो गए हैं तो संभव है कि आपको स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसे बैलेंस रखने के लिए लोग तरह-तरह के नुस्खे अपनाते हैं। कुछ लोग तो इसके लिए दवाओं का भी सेवन करते हैं। जबकि आप घर पर बनी मात्र एक हेल्दी ड्रिंक पीकर भी हार्मोन्स को बैलेंस कर सकते हैं। आइये डाइटिशियन ऋचा गंगानी से जानते हैं इस ड्रिंक को पीने से हार्मोन्स कैसे नियंत्रित होते हैं और इसे बनाने का तरीका।

कैसे बनाएं ये ड्रिंक?

- यह ड्रिंक बनाना काफी आसान है। इसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।
- इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको घी और नारियल का तेल लेना है।
- अब इसके बाद आपको हल्दी और काली मिर्च लेनी है।
- यह सामाग्रियां जुटाने के बाद आपको एक गिलास पानी गर्म करना है।
- अब गर्म पानी में सबसे पहले एक चम्मच घी मिलाएं। इसके बाद इसमें अन्य सामग्रियां डालें।
- इस ड्रिंक एक साथ मिलाकर आप सुबह खाली पेट इसे पी सकते हैं।

हार्मोन्स बैलेंस करने में मददगार

अगर आपको हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या है तो ऐसे में इस ड्रिंक को जरूर पिएं। इसमें घी और हल्दी की मात्रा होती है, जो शरीर में हार्मोन्स के उत्पादन को कंट्रोल करने के साथ ही उसे बैलेंस रखने में भी मदद करती है। यह ड्रिंक शरीर में होने वाले ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करके हार्मोन्स के इंबैलेंस को कम करने में मददगार साबित होती है। सुबह के समय घी खाने से शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन्स का लेवल बैलेंस रहता है।

इस ड्रिंक को पीने के अन्य फायदे

- यह ड्रिंक सेहत के लिए अन्य भी कई तरीकों से फायदेमंद साबित होती है।
- अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो भी इस ड्रिंक को पी सकते हैं।
- इसे पीने से पाचन प्रक्रिया तेज होने के साथ ही मेटाबॉलिज्म भी दुरुस्त रहता है।
- इस ड्रिंक को पीने से शरीर की थकान दूर होती है साथ ही उर्जा की कमी महसूस नहीं होती है।

पूरी सर्दी खा लें हरी प्याज, कैंसर से लेकर हार्ट डिजीज तक हर बीमारी होगी दूर

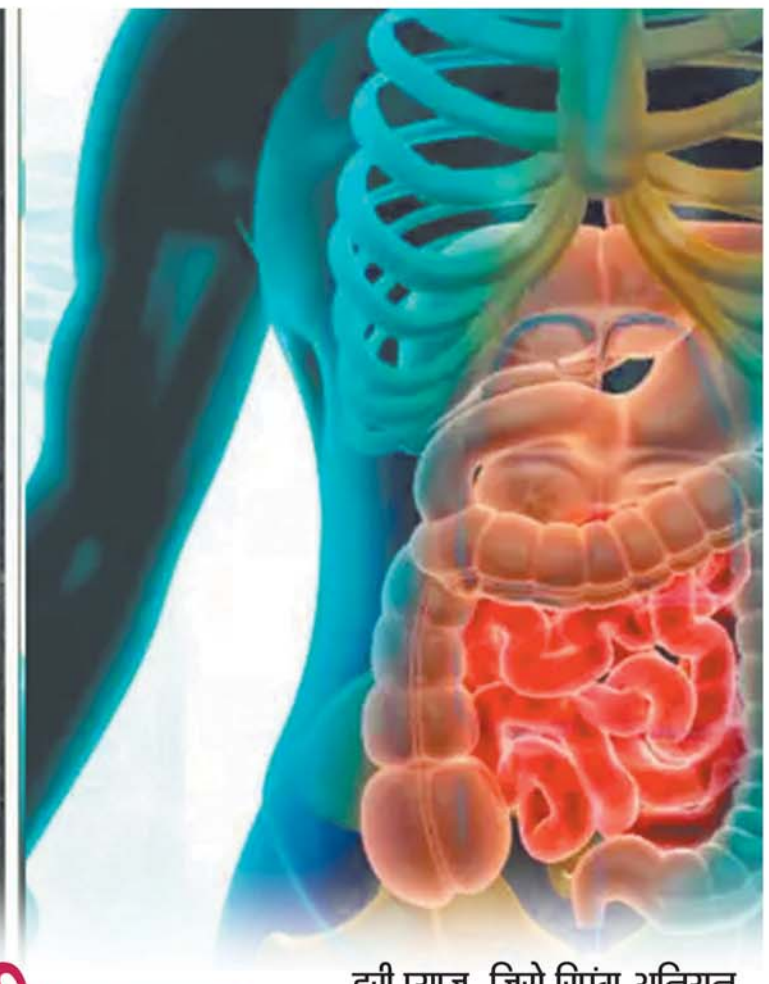

हरी प्याज, जिसे स्प्रिंग अनियन भी कहा जाता है, पोषक तत्वों से भरपूर है। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने, कैंसर का जोखिम कम करने, पाचन में सुधार, दिल की सेहत बेहतर बनाने और स्किन को जवां रखने में मदद करता है। इसमें विटामिन ए, सी, सल्फर, फाइबर और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं।

प्याज की अलग अलग वैरायटी होती है और उनमें से एक है हरी प्याज यानि स्प्रिंग अनियन। इसका सेवन करने से आपके शरीर को काफी सारे लाभ मिल सकते हैं। यह खाने में भी स्वादिष्ट होता है। इस का प्रयोग करके आप किसी भी बोरिंग डिश को एक स्वादिष्ट व्यंजन बना सकते हैं जो स्वास्थ्य लाभों से भी भरपूर होगी। इसको तड़के में प्रयोग कर सकते हैं या बाद में सब्जी में भी डाला जा सकता है। हरी प्याज का सेवन करने से आपकी आंखों को भी लाभ मिलते हैं।अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं जिसे सब्जियां खानी इतनी पसंद नहीं है, तो आप को एक बार हरी प्याज वाली किसी डिश का सेवन करना चाहिए और आप अपना मन चुटकियों में बदल लेंगे। आइए जान लेते हैं हरी प्याज खाने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में। कैंसर और हार्ट डिजीज के खतरे को कम किया जा सकता है।

आंखों के लिए लाभदायक

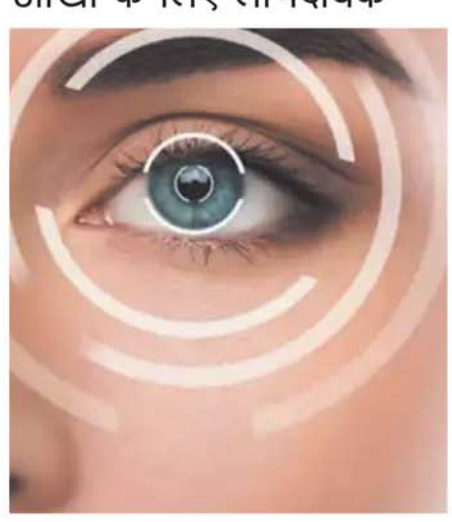

हरे प्याज में विटामिन ए होता है और यह आपकी आंखों के लिए काफी जरूरी होता है। इसका सेवन करने से आंखों की इन्फ्लेमेशन और मैक्यूलर डिजेनरेशन नाम जैसी स्थितियों से राहत मिलती है जो ऐसे डिसऑर्डर होते हैं जिनसे आप की आंखों की रोशनी भविष्य में जा भी सकती है। इसमें लूटेन जैसे कार्टनॉइड होते हैं जो आपकी आंखों को मजबूत बनाने में काफी सहायक माने जाते हैं।

पाचन में मदद करता है

हरे प्याज का सेवन करने से आपको पाचन में भी लाभ मिलता है। आप हरे प्याज का सेवन स्नैक के रूप में भी कर सकते हैं। इनमें फाइबर की अच्छी खासी मात्रा होती है और पाचन को सुधारने में भी मदद करते हैं। अगर आप को गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्या है तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। हरे प्याज का सेवन करने से आपका पाचन तंत्र काफी एक्टिव हो जाता है और ब्लॉटेड इंटेस्टाइन में मदद करता है। आपको अगर पाचन से जुड़ी समस्याएं हैं तो दिन में 20 से 30 ग्राम स्प्रिंग अनियन का सेवन जरूर करें।

कैंसर के रिस्क को करते हैं कम

एन सी बी आई के मुताबिक हरे प्याज में सल्फर पाया जाता है जो आपके शरीर के लिए लाभदायक तत्व होता है। इसका सेवन करने से कैंसर होने का रिस्क कम हो सकता है। इसमें फ्लेवोनॉयड और अल्ली सल्फाइड जैसे तत्व होते हैं जो ऐसे एंजाइम को बढ़ने से रोकते हैं जो कैंसर सेल्स बना सकते हैं। इसलिए अगर अपना कैंसर होने का रिस्क कम करना चाहते हैं तो आप को अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को शामिल करना शुरू कर देना चाहिए।

स्किन के लिए लाभदायक

स्प्रिंग अनियन का सेवन करना आपकी स्किन के लिए भी काफी लाभदायक होता है। इसका सेवन करने से स्किन रेडिएंट रहती है। इसमें विटामिन सी होता है और यह शरीर में कॉलेजन की मात्रा को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आप एजिंग के लक्षण देर से आएं, यह चाहती है तो अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को जरूर शामिल करें। इसका सेवन करने से स्किन स्मूद होती है और झुर्रियां कम होती हैं। साथ ही कॉलेजन के उत्पादन से आप को जल्दी एजिंग लक्षण नहीं देखने को मिलते हैं और स्किन काफी जवान और स्मूद लगती है।

दिल के लिए लाभदायक

हरे प्याज का सेवन करना दिल की सेहत के लिए भी काफी लाभदाई हो सकता है। इसमें प्राकृतिक रूप से पोटेशियम पाया जाता है और यह ब्लड प्रेशर को नॉर्मल बनाने में भी मदद करता है। यह आपके शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। LDL कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में सहायक होते हैं। इसका सेवन करने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क काफी हद तक कम हो सकता है।

आप भी पीते हैं नमक वाली चाय?

जानें इससे होने वाले गंभीर नुकसान

चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से अपच, एसिडिटी और ब्लड प्रेशर समेत कई गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

चाय भारत में पानी के बाद सबसे ज्यादा पी जाने वाली ड्रिंक है। इसका सेवन बड़े-बूढ़ों से लेकर बच्चे भी करते हैं। चाय का मार्केट इतना बड़ा है कि दुनियाभर में अलग-अलग तरह की चाय मिलती है। आमतौर पर लोग दूध वाली चाय का ही सेवन करते हैं। भारत में मसाला चाय और हर्बल चाय का भी चलन है। सावधानीपूर्वक और सही तरीके से चाय का सेवन करने से शरीर को फायदे भी मिलते हैं। लेकिन गलत तरीके से इसका सेवन करना सेहत के लिए गंभीर होता है। चाय का सेवन करने वाले कुछ लोग इसमें नमक मिलाकर भी पीते हैं। नमक वाली चाय सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकती है।

नमक वाली चाय पीने के नुकसान

नमकीन चाय एक प्रकार की चाय है जिसमें नमक और अन्य मसाले डाले जाते हैं। अक्सर लोग चाय बनाते समय दूध के साथ कुछ मात्रा में नमक भी डाल देते हैं। सर्दी-जुकाम या इन्फेक्शन होने पर भी लोग नमकीन चाय का सेवन करते हैं। नक्लीनिकल डाइटिशियन कहते हैं, चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीना नुकसानदायक होता है। नमक वाली चाय का सेवन करने से कई गंभीर नुकसान का खतरा रहता है। इसलिए चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से बचना चाहिए। नमक वाली चाय पीने के नुकसान इस तरह से हैं-

हाई ब्लड प्रेशर - दूध वाली चाय में नमक डालकर पीने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा रहता है। नमक ज्यादा खाने से ब्लड में नाट्रियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे बीपी बढ़ सकता है।

शरीर में पानी भरना - नमक वाली चाय का ज्यादा सेवन करने से शरीर में पानी भर सकता है। इसकी वजह से पेशाब की समस्या भी हो सकती है।

गैस और एसिडिटी - नमक के अधिक सेवन से पाचन तंत्र में समस्याएं हो सकती हैं, जिससे गैस और एसिडिटी का खतरा रहता है। यह पेट में असहजता और तकलीफ का कारण बन सकता है।

पाचन तंत्र के लिए हानिकारक - नमकीन चाय का अधिक सेवन करने से पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है। इससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर में पानी की कमी - नमक के अत्यधिक सेवन से शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है, जिससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

नुकसान से कैसे बचें?

नमक वाली चाय का सेवन शरीर में ऊपर बताई गई समस्याओं का कारण हो सकता है। इसके अलावा चाय का भी ज्यादा मात्रा में सेवन करने से कई गंभीर नुकसान होने का खतरा रहता है। चाय पीने की वजह से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए। इसके नुकसान से बचने के लिए डाइट में फल, सब्जी और हेल्दी चीजों को शामिल करें। नियमित रूप से व्यायाम और एक्सरसाइज का अभ्यास करने से भी इसके नुकसान को कम करने में मदद मिलती है।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है?

जानें बच्चों में दिखाई देने वाले इसके लक्षण

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक चिंता का विषय है। ट्रॉमा स्वयं विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है। कई बार बचपन में कुछ बच्चों ऐसी घटना का सामना करना पड़ता है, जिसका असर उन्हें बाद तक महसूस होता है। इसका प्रभाव बच्चे के जीवन में कई तरह की नकारात्मकता को ला सकता है। इसकी वजह से बच्चे के मानसिक विकास प्रभावित होता है। बच्चा अन्य बच्चों की तुलना में पिछड़ सकता है। इस लेख में आगे जानेगें कि डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है। इस दौरान कैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

इस स्थिति में बच्चों को घर के सदस्य या करीबी से मानसिक समस्या हो सकती है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर (डीटीडी) में बच्चे की भावनाओं पर बुरा असर पड़ता है। डीटीडी प्रतिकूल परिस्थितियों, जैसे दुर्व्यवहार, उपेक्षा, या घरेलू वातावरण में अस्थिरता के कारण हो सकता है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के कारण अलग-अलग हो सकते हैं, जो अक्सर सामाजिक-आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों से जुड़े होते हैं। बच्चे अक्सर शारीरिक, भावनात्मक या यौन शोषण के साथ-साथ अपने करीबी के द्वारा उपेक्षा या छोड़ने के चलते डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर महसूस कर सकते हैं।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के लक्षण

लोगों के साथ जुड़ने में मुश्किल होना

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर का एक प्रमुख लक्षण है कि बच्चे देखभाल करने वालों या अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। बच्चे किसी पर ट्रस्ट नहीं कर पाते हैं। इसका असर बच्चे के सामाजिक और भावनात्मक डेवलपमेंट में भी पड़ सकता है।

भावनात्मक विकृति

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर पाते हैं, तेजी से मूड स्विंग्स, क्रोध या आक्रामकता जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। यह बच्चे के ट्रॉमा की वजह से उत्पन्न होता है। बच्चे किसी से बात नहीं कर पाते हैं।

हमेशा डर में रहना

ट्रॉमा के अपने पिछले अनुभवों के कारण, बच्चे अक्सर अपने वातावरण में संभावित खतरों के प्रति अतिसतर्कता और बढ़ी हुई संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हैं। वे अपरिचित स्थितियों या व्यक्तियों से अत्यधिक सावधान हो सकते हैं। किसी कार्य को वह बार-बार टालने लगते हैं।

कॉग्नेटिव माइंड पर असर

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर में बच्चे के संज्ञानात्मक कामकाज (कॉग्नेटिव माइंड) प्रभावित हो सकता है, जिससे बच्चा केंद्रित करने, सीखने और जानकारी को याद नहीं रख पाता है। बच्चे की पढ़ाई में भी इसका असर पड़ता है।

व्यवहार में बदलाव

कुछ मामलों में, डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अपने भावनात्मक दर्द से बचने के लिए आक्रमक हो जाते हैं। उनके व्यवहार गुस्से में बदलने लगता है। इसकी वजह से उनको घर के अन्य लोगों से डांट खाने को मिल सकती है।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक जटिल और चुनौतीपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जो प्रभावित बच्चों के जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। यदि, बच्चे में इस तरह के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

कन्या महाविद्यालय में 'क्रियेटिव कॉर्नर' का आयोजन, छात्राओं ने फैशन डिजाइन और स्टार्ट-अप से किया प्रभावित

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के दिशा-निर्देशन में आयोजित होने वाले 'क्रियेटिव कॉर्नर' कार्यक्रम में नवाचार और रचनात्मकता की अनूठी झलक देखने को मिली। इस विशेष आयोजन में गृहविज्ञान एवं मनोविज्ञान विभागों की छात्राओं ने अपने कौशल और उद्यमिता की प्रस्तुति दी। प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने इस पहल को उत्साहवर्द्धक बताया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। कार्यक्रम की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा, ÷जब शौक को अपना काम बना लिया जाए, तो काम करने का आनंद दोगुना हो जाता है। छात्राओं ने अपने जुनून को अपना कॅरियर बनाया है। गृहविज्ञान विभाग की छात्राओं ने फैशन डिजाइन, ब्यूटी, आर्ट फूड, मेकअप, हेयर स्टाइल, मेहंदी, कैंडल मेकिंग, क्राफ्ट मेकिंग और ज्वेलरी डिजाइन जैसे क्षेत्रों में अपने शौक को स्टार्ट-अप में बदल दिया है। कई छात्राएं पढ़ाई पूरी होने से पहले ही अपना व्यवसाय शुरू कर चुकी हैं। महाविद्यालय का स्किल डेवलपमेंट सेल, स्टार्ट-अप और इनोवेशन सेल छात्राओं को लगातार मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। मनोविज्ञान विभाग की छात्राओं ने भी इस अवसर पर आकर्षक प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने विभिन्न मनोवैज्ञानिक समस्याओं को रचनात्मक रूप से दर्शाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारतीय वस्त्र एवं कशीदाकारी पर आधारित रैंप वॉक (रैम्पोंक) रहा, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. लाकेश ने बताया कि युवा अतिथि व्याख्याता डॉ. वैभवशंकर सोनी, दीपक ठाकुर, तब्बसुम अली, डॉ. तोषिना तैलंग, डॉ. सीमा कालरा और डॉ. अनामिका वस्त्रकार लगातार छात्राओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं और उन्हें नवाचार के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने चेम्बर ऑफकामर्स और सामाजिक संगठनों से एसआईआर में सहयोग हेतु की अपील

महत्वपूर्ण/अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों-मीडिया प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक गणना पत्रक भरने से वंचित न हो

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में गणना पत्रक भरने की कार्यवाही जारी है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने कहा है कि सभी महत्वपूर्ण व्यक्तियों, अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों, विशिष्ट व्यक्तियों, मीडिया के व्यक्तियों एवं गणमान्य व्यक्तियों के गणना पत्रक भरे जाने तथा 2003 के मतदाता सूची से उनका अथवा उनके परिवार के सदस्यों का मिलान कराए जाने की कार्यवाही अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, बीएलओ एवं कार्य से जुड़े कर्मचारियों को ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों से संपर्क कर उनके तथा परिवार के सदस्यों तथा गणना पत्रक भरने तथा 2003 की मतदाता सूची से उनकी मैपिंग कर ली गई है अथवा नहीं, इसकी पुष्टि कराने कहा है। कलेक्टर सिंह ने ऐसे व्यक्तियों के पुष्टि के लिए दायित्व सौपे हैं। जिसके अनुसार माननीय सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, प्रमुख राजनीतिक दलों के संगठन के सदस्य आदि के लिए प्रोटोकॉल शाखा, समस्त नगरीय निकायों के पदाधिकारी तथा पूर्व पदाधिकारी यथा महापौर, अध्यक्ष, सभापति पार्षद गण, एल्डरमैन (वर्तमान एवं पूर्व) आदि के लिए संबंधित नगरीय निकाय के आयुक्त/सीएमओ, समस्त पंचायत पदाधिकारियों एवं पूर्व पदाधिकारी यथा जिला पंचायत अध्यक्ष, सदस्य, जनपद पंचायत के अध्यक्ष, सदस्य, ग्राम पंचायत के सरपंच एवं पंच (वर्तमान एवं पूर्व), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत/ जनपद पंचायत के द्वारा, मीडिया के व्यक्तियों के लिए जनसंपर्क कार्यालय के द्वारा, अधिकारी/कर्मचारी के लिए संबंधित विभाग के जिला प्रमुख अथवा कार्यालय प्रमुख के द्वारा (अपने समस्त जिला स्तरीय अनुविभाग, स्तरीय खंड स्तरीय कार्यालय तथा अपने वरिष्ठ कार्यालय में यथा मंडल सर्कल आदि में पदस्थ वरिष्ठ अधिकारियों के विषय में भी पुष्टि कर लें) पुष्टि कराऐं जाएंगे। कलेक्टर सिंह ने उक्त सभी अधिकारियों से अपेक्षा की है कि जिन व्यक्तियों के संबंध में उनको पुष्टि करना है उन सभी से दूरभाष अथवा प्रत्यक्ष चर्चा कर पुष्टि करवा लें कि स्वयं के एवं उनके परिवार के सदस्यों के गणना प्रपत्र भरकर बूथ लेवल अधिकारी को दे दिए गए हैं। उनके नाम पिछले 2003 के एसआईआर मतदाता सूची में वे जहां कहीं पर भी थे उसके अनुसार खोज लिए गए हैं अथवा नहीं अर्थात मैपिंग का कार्य कर लिया गया है अथवा नहीं। तथा यह जानकारी उनके गणना प्रपत्र में भरी गई है अथवा नहीं। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा है कि जानकारी में ऐसी कोई भी व्यक्ति आते हैं जो वर्तमान में दुर्ग जिले में निवासरत कार्यरत हैं परंतु या तो उनका गणना प्रपत्र नहीं भरवाया गया है अथवा भरवाया गया है परंतु पिछले 2003 के एसआईआर मतदाता सूची से उनकी मैपिंग नहीं की जा सकी है तो ऐसे लोगों की जानकारी तत्काल संबंधित विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराएं ताकि उनके द्वारा गणना पत्रक भरवाने अथवा मैपिंग की कार्रवाई समय सीमा में पूर्ण की जा सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को अवगत कराया है कि 11 दिसम्बर तक गणना पत्रक भरवा कर ऑनलाइन डिजिटाइजेशन किये जाने की अंतिम तिथि है। समय सीमा का विशेष ध्यान रखें और आगामी दो दिवस (रविवार शाम तक) में उपरोक्त अनुसार पुष्टि कर अवगत करें।

बाद में किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति का नाम छुटने की स्थिति निर्मित ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

जिला कांग्रेस की बागडोर युवा हाथों में, पूर्व सीएम, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बैज ने नए अध्यक्षों का पदभार ग्रहण कराया

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त जिलाध्यक्षों का पदभार ग्रहण समारोह आज, शनिवार 6 दिसंबर को राजीव भवन (कांग्रेस भवन) में सुबह 11:00 बजे से आयोजित किया गया। इस समारोह में दुर्ग जिले के ग्रामीण, शहर और भिलाई नगर के नए अध्यक्ष औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाला। नवनियुक्त पदाधिकारियों में जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के अध्यक्ष राकेश ठाकुर , दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और भिलाई नगर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर शामिल हैं।आयोजन की गरिमा बढ़ाने और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करने के लिए कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।ये नेता रहे उपस्थितःराष्ट्रीय महासचिव और पंजाब प्रभारी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेलप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज पूर्व कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू

पूर्व विधायक बदरुद्दीन कुरैशी पूर्व विधायक अरुण वोराभिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादवप्रदेश महामंत्री राजेन्द्र साहू छाया विधायक निर्मल कोसरे

अमीन भर्ती परीक्षा में जैकेट ब्लेजर पूर्णतः प्रतिबंधित है

दुर्ग। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा 2025 (डब्ल्यूआरडीए25), 07 दिसंबर 2025 (रविवार) को दोपहर 12.00 बजे से 02.15 बजे तक आयोजित होगी। जिले के 77 केन्द्रों में आयोजित इस परीक्षा में 28,235 अभ्यर्थी शमिल होंगे। शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा जारी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए है। जिसके अनुसार परीक्षार्थी परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन कर लें, ताकि उन्हें परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे, ताकि उनका फिस्किंग एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। परीक्षा पूर्वान्ह 12.00 बजे से प्रारंभ हो जाएगी, अतः मुख्य द्वार प्रातः 11.30 बजे बंद कर दिया जायेगा। परीक्षार्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आयें। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़े पहनना वर्जित होगा। परीक्षा में जैकेट/ब्लेजर पूर्णतः प्रतिबंधित है केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट) की अनुमति है। सुरक्षा जांच के समय स्वेटर को उतारकर सुरक्षा कर्मी से जांच कराना होगा। स्वेटर हेतु हल्के रंग एवं आधे बांह का बंधन नहीं होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। फुटवियर के रूप में चप्पल पहनें। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी ।

जिला न्यायालय दुर्ग में मीडिएशन फॉर द नेशन 2.0 संबंधी महत्वपूर्ण बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन

दुर्ग। उच्चतम न्यायालय की मीडिएशन एंड कांसिलेशन प्रोजेक्ट कमेटी द्वारा चलाए जा रहे मीडिएशन फॉर द नेशन 2.0 कार्यक्रम के तहत आज जिला न्यायालय दुर्ग के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य था मीडिएशन (मध्यस्थता) की प्रक्रिया को आसान, मजबूत और लोगों के लिए अधिक उपयोगी बनाना, ताकि विवादों का जल्दी और सरल तरीके से समाधान हो सके। बैठक में मीडिएशन 2.0 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई और आवश्यक निर्णय लिए गए। इनमें प्रमुख रूप से मीडिएशन प्रक्रिया को पारदर्शी, समय पर और लोगों के लिए ज्यादा सुविधाजनक बनाने की योजना बनाई गई। पारिवारिक, सिविल, आपराधिक और अन्य मामलों में न्यायालयीन कार्यवाही से पहले मीडिएशन के माध्यम से समाधान खोजने पर जोर दिया गया। मध्यस्थों और परामर्शदाताओं को नई तकनीकों और तरीकों का प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया। लीगल एड डिफेंस काउंसिल, मध्यस्थ अधिवक्ताओं, परामर्शदाताओं और न्यायिक अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर सहमति बनी। मामलों को मध्यस्थता हेतु भेजने और उनके फॉलो-अप की प्रक्रिया को बेहतर और एक समान बनाने पर चर्चा हुई। मीडिएशन कक्षों और परामर्श सेवाओं को और सुविधाजनक बनाने का प्रस्ताव रखा गया। आम जनता में मीडिएशन के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसे एक आसान व भरोसेमंद तरीका बताने पर जोर दिया गया। बैठक के अंत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि मीडिएशन 2.0 न्याय व्यवस्था को अधिक मानवीय, संवेदनशील और व्यावहारिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, और सभी अधिकारियों तथा अधिवक्ताओं को इसमें पूरा सहयोग देना चाहिए। जिला न्यायालय दुर्ग न्यायिक सेवाओं को लोगों के लिए और भी सरल, सुलभ और प्रभावी बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस बैठक में परिवार न्यायालय के न्यायिक अधिकारीगण, जिला न्यायालय के मध्यस्थ न्यायिक अधिकारीगण, स्थायी एवं जनोपयोगी लोक अदालत के अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, वरिष्ठ न्यायालय प्रबंधक, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के अधिवक्तागण, मध्यस्थ अधिवक्तागण तथा परिवार न्यायालय के परामर्शदातागण शामिल हुए।

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय दुर्ग में मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन

दुर्ग। कृषि विभाग द्वारा पायलट प्रोजेक्ट ऑन स्कूल हेल्थ कार्यक्रम अंतर्गत पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया। सहायक मिट्टी परीक्षण अधिकारी रूआबांधा दुर्ग श्रीमती पुष्पा राजेंद्रन द्वारा सॉइल हेल्थ कार्ड योजना एवं मिट्टी नमूना संग्रहण, विश्लेषण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर संतुलित उर्वरक के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। मिट्टी नमूने विश्लेषण के आधार पर संतुलित मात्रा में खाद का उपयोग कर कृषक फसल कास्त लागत में कमी लाते हुए उत्पादन में वृद्धि कर सकते है। स्कूल सॉइल हेल्थ योजना केंद्र शासन की महत्वपूर्ण योजना है जिसमें कृषकों छात्रों को मृदा स्वास्थ्य के विषय में जागरूक करते हुए टिकाऊ खेती के बारे में समझाया जाता है। छात्र स्वयं कृषकों के हितों से मिट्टी के नमूनों का संग्रहण कर विद्यालय के प्रयोगशाला तथा स्थानीय प्रयोगशाला के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य पत्र तैयार करते हैं। प्रयोगशाला सहायक संजीव जेना एवं स्वाति सिंह राजपूत द्वारा मिट्टी नमूना संग्रहण, मिट्टी के पोषक तत्व एवं मिट्टी के पीएच मान सहित 12 पैरामीटर की पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से मृदा के विषय में ज्ञान को परखा गया। टीजीटी विज्ञान राजेश कुमार द्वारा बताया गया कि गत वर्ष से स्कूल सॉइल हेल्थ योजना विद्यालय में संचालित है जिसमें छात्रों द्वारा काफी रुचि ली जा रही है। केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य उमाशंकर मिश्रा ने योजना को काफी उपयोगी बताते हुए छात्रों को कहा कि बढ़ते हुए प्रदूषण के कारण गिरते हुए मृदा स्वास्थ्य को देखते हुए यह आवश्यक है कि आने वाली पीढ़ी मृदा स्वास्थ्य के विषय में जागरूक हो एवं सुधार और संरक्षण हेतु प्रयास करें। कृषि में कृषि में रसायनो का बढ़ता हुआ प्रयोग मिट्टी के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत ही नुकसानदायक है। कार्यक्रम का संचालन अजय आर्य टीजीटी संस्कृत द्वारा किया गया स्कूल स्टाफ एवं कृषि विकास अधिकारी श्रीमती मंजूषा सिंह भी उपस्थित रही।

251 कलशों की यात्रा के साथ त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह प्रारंभ

रिसाली में आज से बहेगी भक्ति की धारा-

विभिन्न राज्यों से पहुंचे साधु मंहत

भिलाई। त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह का 9 दिवसीय आयोजन वीआईपी नगर, फेस-2, शिव मंदिर के पास, रिसाली में रविवार से प्रारंभ हुआ इसके पूर्व यज्ञ स्थल से दोपहर 2 बजे से 251 महिलाओं के द्वारा कलश यात्रा निकाली गई.जो शीतला मंदिर स्थित तालाब में पहुंची यहां से जल लेकर कलश यात्रा वापस कथा स्थल पहुंची जहां हनुमानजी के मंदिर में स्थापित की गई।

स्थापना पश्चात कथावाचक बेमेतरा के पंडित भूपत नारायण शुक्ला ने त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ कथा के संदर्भ में श्रद्धालु को जानकारी देते हुए कथा का विस्तार से वर्णन किया। इसके पूर्व हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया। आपको बता दें 7 दिसंबर 15 दिसंबर तक चलने वाले यज्ञ सप्ताह में विभिन्न राज्यों से संत व महंतो की भी उपस्थिति रही। इस अवसर पर आयोजक विष्णु पाठक ने धर्मप्रेमियों से इस त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह का लाभ उठाने की अपील की है।

इस कार्यक्रम में पं. जितेन्द्र नाथ मिश्र गाजीपुर उत्तर प्रदेश, महंत अवधबिहारी दास जी सनातन धर्म परिषद् (न्यास) गोरखपुर उत्तर प्रदेश, रामज्ञानी दास महात्यागी श्रीखेड़ी आश्रम गोंदिया महाराष्ट्र, डॉ. गोविन्द रामानु?जाचार्य राष्ट्रीय धर्म प्रचारक सनातन धर्म परिषद् आंध्र प्रदेश, संत बृजराज दास राष्ट्रीय संगठन मंत्री देवलोक अजोधापुर मुजफ्फरपुर बिहार, मंहन गोविंद दास बर्फाणी धाम राजनांदगांव, संत श्याम दास राष्ट्रीय संगठन मंत्री टोपीकुंज वृंदावन मथुरा, आचार्य वेद प्रकाश प्रदेश अध्यक्ष सनातन धर्म परिषद् छत्तीसगढ़, सुरेन्द्र गौतम शास्त्री राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म पुरोहित महासभा रायपुर, साध्वी प्रतीभा राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म परिषद् महिला प्रकोष्ठ इन्दौर, स्वामी भगवान गिरी राष्ट्रीय संगठन मंत्री दक्षिण भारत, साध्वी डॉ. अनीता योगेश्वरी महाराज राष्ट्रीय संगठन मंत्री महिला प्रकोष्ठ, नागा सर्वेश्वर दास राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म परिषद् अलवर, स्वामी सत्यानंद महाराज राष्ट्रीय संगठन प्रभारी सनातन धर्म परिषद्, ईन्द्रपाल दास राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म परिषद् गौ रक्षा वाहिनी, आचार्य शशि भूषण मोहंती सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी, महंत श्याम दास नागा राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म परिषद् अदिलापुर, स्वामी रमण गिरी राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म परिषद् रायसेन, राघवेन्द्र दास राष्ट्रीय संगठन मंत्री गुना व महाराज छोटू पाण्डेय महाकाल आश्रम राजनांदगांव का आगमन हो रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com